संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 18
पृष्ठ 8
शनिवार
04 अक्टूबर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ठंड के मौसम में रूखी त्वचा...
विचार- ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन...
खेल- युवराज की वो बात, जिसने बदल दी...

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प : सीएम योगी

सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को

संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

अब उकसाया तो नक्शे से मिट जाएगा पाकिस्तान

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने दी आर-पार की चेतावनी

जयपुर, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को सीधे और कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने पड़ोसी देश को स्पष्ट किया है कि उसे राज्य–प्रायोजित आतंकवाद को तुरंत रोकना होगा, अन्यथा उसका ऐतिहासिक और भौगोलिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। राजस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान सेना प्रमुख ने कहा, अगर पाकिस्तान विश्व इतिहास और भूगोल में अपना स्थान बनाए रखना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। जनरल द्विवेदी ने भविष्य में किसी भी उकसावे पर भारत की कार्रवाई की रणनीति को और भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, हम इस बार ऑपरेशन सिंदूर 1.0 की तरह कोई संयम नहीं दिखाएंगे और अगर दोबारा उकसाया गया तो एक कदम और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगे चेतावनी दी, यह संभव है कि हम उस पर इतना कड़ा

प्रहार करेंगे कि पाकिस्तान इस बात पर पुनर्विचार करने पर मजबूर हो जाएगा कि उसे इतिहास और भूगोल में अपना स्थान चाहिए या नहीं। जनरल द्विवेदी का यह बयान मई में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर 1.0' के संदर्भ में आया है। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले (जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी) के जवाब में किया गया था। 7 मई को, भारतीय सशस्त्र बलों ने सटीक हमले किए, नौ आतंकी लॉन्चपैड नष्ट किए और पीओके और पाकिस्तान की मुख्य भूमि के अंदरूनी इलाकों में 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया था। भारत की इस सैन्य प्रतिक्रिया ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था। ऑपरेशन सिंदूर की समाप्ति 10 मई को हुई, जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक ने अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात कर युद्धविराम का आग्रह किया, जिस पर भारतीय पक्ष सहमत हो गया था। अपने भाषण के अंत में, जनरल द्विवेदी ने भारतीय सैनिकों को तैयार और स्टैंडबाय पर रहने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने संकेत दिया, कृपया पूरी तरह तैयार रहें। ईश्वर की इच्छा से, आपको बहुत जल्द एक और मौका मिलेगा। शुभकामनाएं। जय हिंद।

राहुल विदेश में देश की छवि खराब करने का कर रहे हैं काम : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एक बार फिर विदेश में जाकर देश की छवि खराब करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि श्री गांधी का नेता प्रतिपक्ष होना भारत के लिए शूल है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि देश में पिछले 36 घंटे में दो प्रकार के दृश्य देखने को मिले हैं, पहला 100 वर्षों से देश के लिए निरंतर समर्पित विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का देशभर में समारोह होना। इस शताब्दी वर्ष के अवसर पर इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मां भारती के अंकित चित्रों वाला 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। दूसरी तरफ देश की 140 साल पुरानी पार्टी के नेता ने विदेश की धरती से एक और देश विरोधी बयान दिया है, जिसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ग्लोबल टाइम्स ने जनवरी 2023 में कहा कि भारत ने कुछ वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था में जिस तेजी से संस्थानिक सुधार (स्ट्रक्चर रिफॉर्म) किया है उससे वह बहुत शक्तिशाली बना है। उन्होंने कहा कि सवाल यह उठता है कि कांग्रेस नेता श्री गांधी जब विदेश जाते हैं तो उन्हें कैंब्रिज यूनिवर्सिटी द्वारा दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का डिजिटल ट्रासफॉर्मेशन पर हुई केस स्टडी और स्टेनफोर्ड द्वारा तैयार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इंडेक्स, जिसके अनुसार भारत एआई कौशल निवेश में पहले स्थान पर और एआई जीवंतता में शीर्ष चार देशों में शामिल है क्यों नहीं दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी इसी स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में जाकर भारत के बारे में अपशब्द, अपमानजनक और निरर्थक बातें करते हैं।

देश में सामाजिक सुरक्षा हो रहा मज़बूत : मांडविया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत बनाया जा रहा है।

भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। डॉ. मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आईएसएसए

विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच पर पुरस्कार प्राप्त करने के बाद शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने और 940 मिलियन से अधिक नागरिकों तक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मान्यता दिए जाने पर भारत को श्सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धिश के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा कवरेज में वृद्धि के बाद, भारत ने आईएसएसए महासभा में 30 सीटों के साथ सर्वोच्च वोट शेयर हासिल किया है।

अक्टूबर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच जबलपुर इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती अनीता दूबे जी को दिया जाएगा

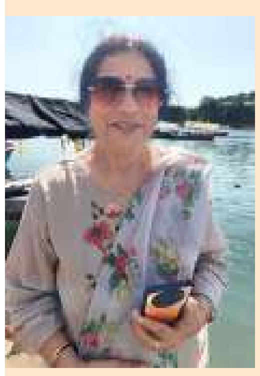

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान अक्टूबर 2025 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी जबलपुर इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती अनीता दूबे जी को दिया जाएगा। रचनाकार अनीता दूबे जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम! आईएसआई से जुड़ा शख्स गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

अमृतसर, एजेसी। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के एजेंटों के कथित संपर्क में रहने वाले एक व्यक्ति को दो हथगोले के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तरनतारन निवासी रविंदर सिंह उर्फ घ्घ्रवि को गिरफ्तार किया और उसके पास से दो हथगोले बरामद किए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान के आईएसआई एजेंटों के संपर्क में था और उसे सीमा पार से यह खेप मिली थी। डीजीपी ने बताया कि अमृतसर के घरिंडा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी है। उन्होंने आगे कहा पंजाब पुलिस आतंकवादी नेटवर्क को बेअसर करने, संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य भर में शांति एवं जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

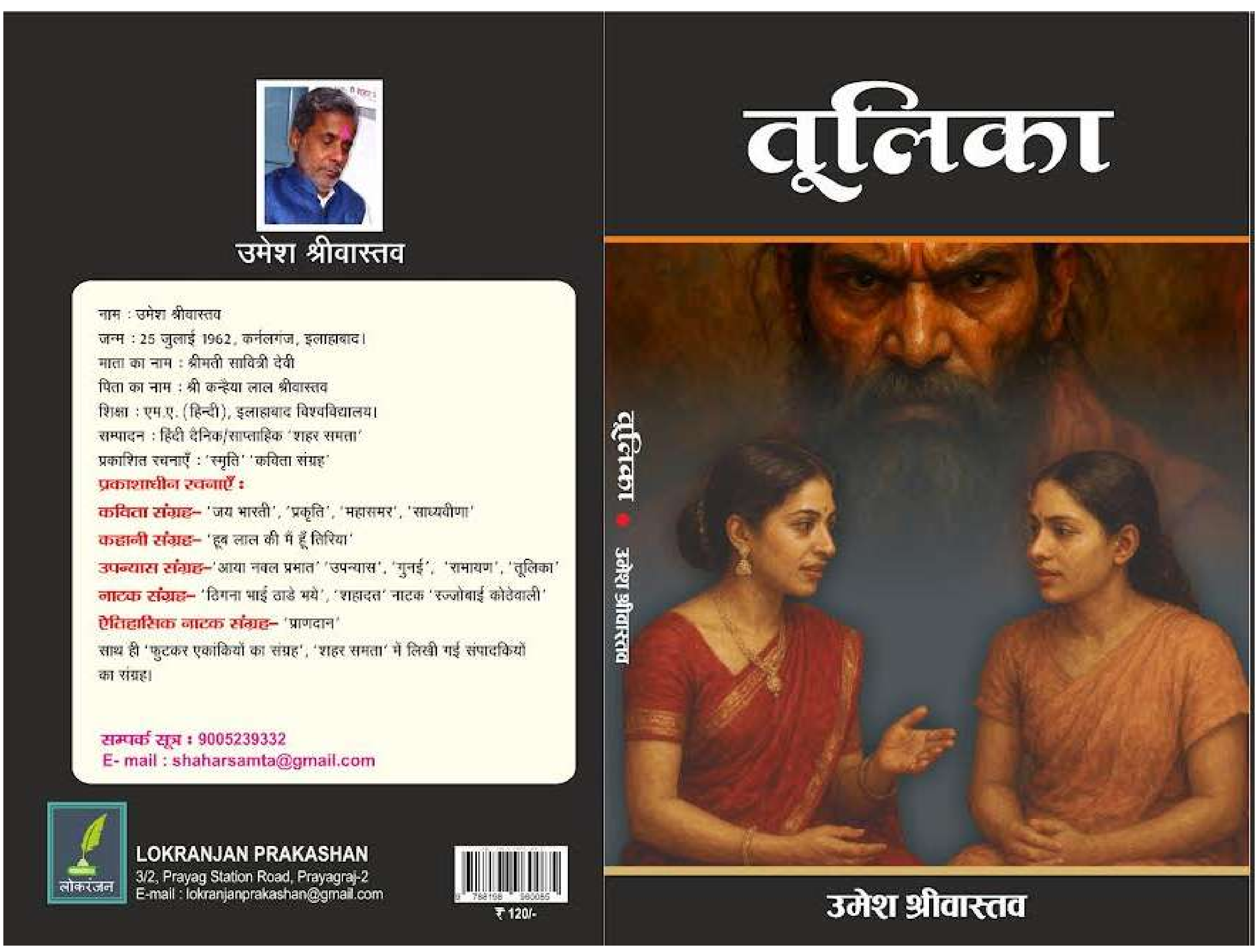

अभियान के दौरान स्वच्छता की ली शपथ

प्रयागराज। गांधी जयंती के अवसर पर कलक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता भारत मिशन के तहत वृहद अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अगुवाई में सभी अधिकारी व कर्मचारी जुटे। इस दौरान सभी अनुभागों में सफाई अभियान चला और अफसरों ने खुद भी श्रमदान दिया। इसके बाद शपथ दिलाई गई। सभी ने प्रतिदिन दफ्तर और घर में सफाई करने की शपथ ली और आम नागरिकों को इसके लिए प्रेरित करने के संकल्प को दोहराया। इसके साथ ही सभी ब्लॉकों में भी स्वच्छता का अभियान चला। कई कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधि खुद शामिल हुए और अभियान में आम नागरिकों ने भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

मेला देखकर घर लौट रहे दो की मौत, एक घायल

प्रयगराज। मेला देखकर झूंसी के कटका गांव अपने घर लौट रहे बाइक सवार दो युवको की सहसों बाईपास पर बुधवार की देर रात लगभग एक बजे अज्ञात वाहन के टक्कर से मौत हो गई। हादसे में तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, झूंसी कटका निवासी 18 वर्षीय अनुज भारतीया और 30 वर्षीय रंजीत बाबूगंज से मेला देखकर बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। एक युवक भी लिफ्ट मांग कर बाइक पर सवार हो गया। रास्ते में सहसों बाईपास पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। घटनास्थल पर ही अनुज भारतीय की मौत हो गई। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल रंजीत समेत दो युवकों को एसआरएन अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान रंजीत की भी मौत हो गई। हादसे की जानकारी होते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे पर सफर को हो जाएं तैयार, आया ताजा अपडेट

प्रयागराज। मेरठ–प्रयागराज के बीच 594 झड लंबे गंगा एक्सप्रेसवे पर सफर को तैयार हो जाएं। गंगा एक्सप्रेसवे को लेकर ताजा अपडेट आया है। अक्तूबर के अंत में या नवंबर में यूपीडा की उच्चस्तरीय टीम मेरठ से प्रयागराज तक ट्रायल करेगी। यूपी के मेरठ–प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे पर सफर के लिए तैयार हो जाएं। नवंबर के बाद किसी भी दिन गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हो जाएगा। मेरठ से प्रयागराज के बीच 594 किलोमीटर में गंगा एक्सप्रेसवे लगभग बनकर तैयार है।

अक्तूबर के अंत में या नवंबर में यूपीडा की उच्चस्तरीय टीम मेरठ से प्रयागराज तक ट्रायल करेगी। यूपीडा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार गंगा एक्सप्रेसवे में मेरठ से प्रयागराज के बीच कुल 1498 स्ट्रक्चर में से 1494 शत–प्रतिशत पूर्ण हो गए हैं। चार स्ट्रक्चर को फाइनल करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मेरठ से प्रयागराज के बीच 594 किलोमीटर में तारकोल और अन्य निर्माण कार्य 97 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं। मिट्टी वर्क तो लगभग शत–प्रतिशत हो चुका है। ओवरऑल प्रगति अब करीब 95 प्रतिशत है। जो पांच प्रतिशत कार्य शेष है उसे फाइनल टच दिया जा रहा है। दावा है कि सारे निर्माण कार्य नवंबर तक पूर्ण हो जाएंगे। गंगा एक्सप्रेस वे पर करीब पांच प्रतिशत कार्य शेष है। वहीं, मेरठ से बदायूं के बीच कुल 129 किलोमीटर सेक्शन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

मेरठ से बदायूं सेक्शन लगभग पूर्ण

यूपीडा अधिकारियों के अनुसार मेरठ से बदायूं के बीच कुल 129.700 किलोमीटर में निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। गंगा पर बड़े पुल के निर्माण के साथ ही मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल और बदायूं जिले में गंगा एक्सप्रेसवे को फाइनल टच दिया जा रहा है। मेरठ से बदायूं के बीच 129.700 किलोमीटर में कुल 322 स्ट्रक्चर भी लगभग तैयार हैं। बीच–बीच में अभी कट छोड़ा गया है, ताकि वाहनों के आवागमन से नुकसान न हो। उच्च स्तर से हरी झंडी मिलेगी तो उसे फाइनल कर चालू कर दिया जाएगा। संभावना है 15 नवंबर के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पूर्णतरू फाइनल हो जाएगा।

चौबीस घंटे में दो मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में चौबीस घंटे के अंदर दो जगह पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार किए गए। इसमें दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। आरोपियों पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। यमुनानगर जोन के नैनी क्षेत्र में डीपीएस चौराहे के समीप नैनी पुलिस और एसओजी टीम संयुक्त रूप से गुरुवार की देर रात संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर दो संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस टीम के रूकने का इशारा करने पर दोनों बदमाश पुलिस टीम पर फायर करते हुए गंगा कछार की ओर से भागे।

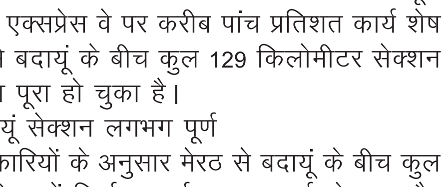

पुलिस ने पीछा कर जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान राहुल पासी निवासी मुंडेरा बाजार पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके साथी विजय कुमार निवासी पिपरी कौशाम्बी को दौड़ाकर पकड़ लिया गया। आरोपियों के पास से साढ़े 86 हजार रुपये नकदी समेत अवैध तमंचा, कारतूस व बाइक बरामद की गई। बीते 29 सितंबर को एडीए कॉलोनी में चेन छिनैती कर फरार हो गए थे। उधर, सोरांव थाना क्षेत्र के सरायलाल खातून के समीप रिंग रोड के सर्विस लेन पर बुधवार की देर रात पुलिस मुठभेड़ में गोवध के वांछित तबरेज निवासी अरईश को गिरफ्तार किया गया। पैर पर गोली लगने से घायल तबरेज को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। उस पर पहले से गोवध समेत कुल नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। तबरेज के पास से

बरामदे में दादी के बगल में सो रही युवती रहस्यमय तरीके से हुई गायब, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। घर के बरामदे में परिजनों के साथ सो रही एक युवती रात में रहस्यम तरीके से गायब हो गई। भोर में घटना की जानकारी होने पर परिजन खोजबीन में जुट गए, लेकिन घर के पीछे खून के निशान भी मिले हैं। कई घंटे बीत जाने के बाद भी उसका पता नहीं चला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद से छानबीन की। फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर को रात अंजली खाना खाने के बाद घर के बरामदे में परिजनों के साथ सो गई थी। अंजली के साथ चारपाई पर उसका भतीजा वेदांत पुत्र कुलदीप भी सो रहा था। देर रात तकरीबन दो बजे आशंका में परेशान हो गए। उसकी चारपाई के बगल फर्श पर और घर के पीछे थोड़ा सा रक्त जैसा गिरा दिखा। सुबह जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर

युवती का कहीं पता नहीं चला। खोजी कुत्ते के साथ मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के धमोइया गांव में बृहस्पतिवार को देर रात घर के बरामदे में सोते समय एक युवती रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। शुक्रवार को भोर में परिजनों को जानकारी हुई तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। चारपाई के पास और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है। किसी अनहोनी की आशंका से परिजन परेशान हैं।

धमोइया गांव निवासी अशर्फी लाल साहू की गांव में ही किराने की दुकान है। अशर्फी लाल की लड़की अंजली साहू (23) बीकाम की पढ़ाई करने के बाद घर पर ही गांव के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी। बृहस्पतिवार वेदांत चारपाई से उठ कर अपनी दादी मनोरमा देवी के पास गया दादी नींद खुल गई। उन्होंने बगल चारपाई पर देखा तो पुत्री अंजली गायब थी।

परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान

उन्होंने सोचा कि वह बाथरूम गई होगी। एक घंटे बाद भी जब अंजली वापस नहीं आई तो परिजन अनहोनी की थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता पुलिस फोर्स, फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्ते के साथ पहुंच गए। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली। खोजी कुत्ता मौके से पहले घर के अंदर गया फिर घर के पीछे की तरफ कुछ दूर जाकर लौट आया। परिजन पुत्री के साथ किसी अनहोनी की आशंका से डरे हुए हैं।

कंप्यूटर, रसायन विज्ञान व समाजशास्त्र की परीक्षा 1.36 लाख ने छोड़ी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की शनिवार को दूसरी पाली में हुई हाईस्कूल के विषय कंप्यूटर और इंटरमीडिएट के विषय रसायन विज्ञान व समाजशास्त्र की परीक्षा 1,36,744 परीक्षार्थियों ने छोड़ दी। इन तीन विषयों की परीक्षा के लिए पंजीकृत कुल 22,13,643 परीक्षार्थियों में से 20,76,866 उपस्थित रहे। प्रयागराज के दो परीक्षा केंद्रों पर सात कक्ष निरीक्षकों, पांच अन्य लोगों और आगरा में एक व्यक्ति यानी कुल 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया।

दोनों पालियों की परीक्षा में कुल 94 फीसदी अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई। परीक्षा के लिए पंजीकृत 30,06,469 में से 28,19,416 उपस्थित व 1,87,053 अनुपस्थित रहे। पहली में पाली में हाईस्कूल के विषय गृह विज्ञान व इंटरमीडिएट के व्यावसायिक वर्ग के विषयों की परीक्षा के लिए पंजीकृत 7,92,826

अभ्यर्थियों में से 7,42,517 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 50,309 ने परीक्षा छोड़ दी।

फिलहाल, परीक्षा शुरू होने के कई दिनों बाद ऐसा हुआ, जब कोई फर्जी परीक्षार्थी नहीं पकड़ा गया। हालांकि, नकल करते हुए तीन परीक्षार्थी पकड़े गए। अब तक कुल 25 परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गए हैं। वहीं, शनिवार को 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद मुकदमों की संख्या बढ़कर 100 हो गई है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रयागराज में सात कक्ष निरीक्षकों के पास मोबाइल फोन मिलने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

आज केवल प्रयागराज में हिंदी की परीक्षा

महाकुंभ में भीड़ व यातायात प्रतिबंधों के मद्देनजर प्रयागराज में 24 फरवरी को स्थगित की गई हिंदी व अन्य विषयों की परीक्षा नौ मार्च को होगी। इस परीक्षा के लिए 1,96,610 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। प्रथम पाली में हाईस्कूल के विषय हिंदी व प्रारंभिक हिंदी में 92,673 एवं इंटरमीडिएट के विषय सैन्य विज्ञान में 94 और द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट के विषय हिंदी व सामान्य हिंदी में 1,03,843 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। हाईस्कूल के विषय हेल्थकेयर में प्रयागराज में कोई परीक्षार्थी पंजीकृत नहीं है।

नारी शक्ति के हवाले रही जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस

प्रयागराज। जोधपुर से हावड़ा जाने वाली जोधपुर एक्सप्रेस की कमान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के हाथ रही। टूंडला से कानपुर, कानपुर से प्रयागराज एवं प्रयागराज से पंडित दीन दयाल उपाध्याय तक इस ट्रेन का संचालन महिलाओं ने किया। ट्रेन की सुरक्षा का दायित्व भी महिला आरपीएफ कर्मियों के पास रहा। ट्रेन जब सुबह टूंडला पहुंची तो वहां स्टेशन मास्टर शशी, वरिष्ठ लोको पायलट पूजा कुमारी, ट्रेन मैनेजर रेणुका, और प्वाइंट्समैन अर्चना सिंह ने इसे संचालित किया। कानपुर से वरिष्ठ लोको पायलट प्रगति कुशवाहा, वरिष्ठ लोको पायलट अंजलि भारती, ट्रेन मैनेजर अंजलि ने कमान संभाली। शाम 4.30 बजे जोधपुर एक्सप्रेस प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पर पांच पर पहुंची। यहां स्टेशन निदेशक वीके द्विवेदी और मुख्य क्रू नियंत्रक वासुदेव पांडेय आदि ने महिला रेलकर्मियों का पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया। यहां वरिष्ठ लोको पायलट निधि शुक्ला और सुष्मिता ने ट्रेन की कमान संभाली। जबकि स्नेहलता ने ट्रेन मैनेजर की जिम्मेदारी निभाई। आरपीएफ की दीप्ति कुमारी, नेहा, कविता कुमारी, नेहा राज एवं रेखा ने ट्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। लोको पायलट निधि शुक्ला अब तक एक लाख किमी और सुष्मिता 60 हजार किमी ट्रेन का संचालन कर चुकी हैं। महाकुंभ के दौरान भी इन दोनों सीनियर लोको पायलट ने बड़ी संख्या में ट्रेनों का संचालन किया था। दूसरी ओर पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा बनारस से झूंसी के बीच चलाई गई मेमू ट्रेन का संचालन सीनियर लोको पायलट नीतू बाला ने किया। झूंसी स्टेशन पर उनका स्वागत किया गया।

नई नीति से शराब कारोबार में महिलाओं की बढ़ी भागीदारी

प्रयागराज। नई शराब नीति के तहत ई–लाटरी से एक व्यक्ति को दो से अधिक शराब की दुकानों का आवंटन नहीं हो सकता है। इस कारण शराब के कारोबार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। माना जा रहा है कि शराब कारोबारियों ने घर की महिलाओं के नाम से ई–लाटरी में हिस्सा लिया। ऐसे में पिछले वर्ष जहां 10 प्रतिशत महिलाओं को भी दुकानों का आवंटन नहीं हो सका था, वो इस वर्ष बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिले में देशी, विदेशी और बियर की 1040 दुकानों में 1031 का ई–लॉटरी के द्वारा आवंटन हो चुका है। इसमें देशी की 518 दुकानों में 509 का आवंटन हो चुका है, जबकि शेष नौ दुकानों का आवंटन अगले चरण में किया जाना है। वहीं विदेशी व बियर की 385 कंपोजिट शॉप, 18 मॉडल शॉप और 119 भांग की दुकानों का दो दिन पूर्व ई–लॉटरी सिस्टम से आवंटन किया गया। खास बात यह है कि इस बार 70 फीसदी दुकानों का आवंटन नए लोगों के नाम से हुआ है। इसमें युवाओं की संख्या अधिक हैं। आवंटन में जिले में देशी की दुकानों में सबसे अधिक दर पर दारागंज की दुकान उठीं। यहां से करीब पांच करोड़, सात लाख 87 हजार से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं कुल 1040 दुकानों के लिए 13 हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया था, जिसमें 78 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। विदित हो कि प्रदेश में पहले एक व्यक्ति 150 दुकानें अपने नाम से जिले और प्रदेश के अन्य अलग–अलग जिलों में प्राप्त कर सकता था, लेकिन इस बार नियमों में बदलाव किया गया। इससे एक व्यक्ति प्रदेश में सिर्फ दो दुकानों का ही लाइसेंस प्राप्त कर सकता है।

जिले में शराब की दुकानों का विवरण

देशी शराब – 518, विदेशी एवं बियर कंपोजिट शॉप – 385 भांग की दुकानें – 119, मॉडल शॉप – 18

दो माह में 221 करोड़ की शराब गटक गए लोग

प्रयागराज। जनवरी और फरवरी माह के आंकड़ों पर गौर करें तो जिले में 221 करोड़ रुपये की शराब लोग गटक गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 फीसदी अधिक है। इससे सरकार के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी हुई है। माहवार आंकड़ें देखें तो जनवरी में 111 करोड़ और फरवरी में 110 करोड़ की शराब की खपत हुई है।

जिले की देशी, विदेशी और बियर की 1040 दुकानों में 1031 का ई–लॉटरी द्वारा आवंटन हो चुका हैं। शेष बची नौ दुकानों का आवंटन अगले चरण में होगा। 13 हजार से अधिक लोगों ने शराब की दुकानों के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। इस बार के आवंटन में महिलाओं की भागीदारी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी है। करीब 25 प्रतिशत महिलाओं के नाम दुकानों का आवंटन हुआ है, जो पिछले वर्ष 10 प्रतिशत से भी कम था। – सुशील कुमार मिश्र, जिला आबकारी अधिकारी, प्रयागराज

समस्याओं के समाधान गांधी दर्शन में निहित

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गांधी विचार एवं शांति अध्ययन संस्थान में गांधी जयंती पर संगोष्ठी हुई। अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मनमोहन कृष्ण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आर्थिक साम्राज्यवाद और उपभोक्तावाद जैसी समस्याओं के समाधान गांधी दर्शन में निहित हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि गांधी को केवल रस्मी तौर पर याद न करके, उनके विचारों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। संस्थान निदेशक प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि बदलते समय में गांधी और अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं। इस अवसर पर गांधी पथ शोध पत्रिका पर भी चर्चा हुई। अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम समीर शंकर और प्रखर श्रीवास्तव ने भी विचार रखे। इस अवसर पर संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गांधी जी ने अहिंसा के माध्यम से विश्व को दिखाई नई राह

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में गुरुवार को गांधी एवं शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन बहुउद्देशीय सभागार में हुआ। अध्यक्षता मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने की। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से विश्व को नई राह दिखाई। लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान–जय किसान के नारे से भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा दी। कुलसचिव प्रो. विनीता यादव ने कहा कि यदि हम गांधी के जीवन का एक प्रतिशत भी अपनाएं तो वह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। गांधीजी के प्रिय भजनों का सामूहिक गायन हुआ तथा गांधी पर आधारित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। संचालन डॉ. प्रवीण द्विवेदी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया झा ने किया।

माधव ज्ञान केंद्र में तीन कमरों का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र नैनी के तीन नवनिर्मित कमरों का लोकार्पण पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने किया। इन कमरों का निर्माण डॉ. रीता जोशी की सांसद निधि से हुआ है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक शिव कुमार पाल, अध्यक्ष डॉ. आनंद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष शरद गुप्त, प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र, पार्षद रणविजय सिंह, विजय पुर्सवानी, आगम पाठक, ब्रह्मानारायण तिवारी, राधेश्याम तिवारी, संजय कुमार मिश्र, श्याम सुंदर मिश्र, सत्य प्रकाश गुप्ता, राजकुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

नेहरू ग्राम भारती में गांधी–शास्त्री जयंती मनाई गई

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय) के जॉर्ज टाउन कार्यालय में गुरुवार को को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। संस्थापक कुलाधिपति जेएन मिश्र ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और कहा कि गांधी जी की सादगी, अनुशासन और कार्यक्षमता उन्हें आज भी अमर बनाए हुए है। साथ ही शास्त्री जी को भी नमन किया। उधर आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष पंकज जायसवाल, महापौर गणेश केसरवानी संतोष चौरसिया आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता से सेवा पर्व का भी समापन हुआ।

पुष्प वर्षा के बीच बाघंबरी क्षेत्र की रामलीला के कलाकार हुए सम्मानित

प्रयागराज। बाघंबरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी की दस दिवसीय रामलीला के समापन पर गुरुवार की देर रात कलाकारों को सम्मानित किया गया। मंचन समाप्त होते ही तुलसी पार्क के लीला स्थल पर वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक नायर के निर्देशन में रामलीला करने वाले कलाकारों को कमेटी के अध्यक्ष ओम नारायण त्रिपाठी ने प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पुष्प वर्षा के बीच सम्मानित होने वालों में राम बने अमितेश श्रीवास्तव, लक्ष्मण के रूप में चंकी बच्चन, हनुमान की भूमिका निभाने वाले विनोद कुमार यादव, शालिनी मिश्रा बनी सीता, कुंभकर्ण के लिए अश्वनी श्रीवास्तव व विभीषण बने आकाश अग्रवाल प्रमुख रूप से रहे।

एक परिवार बनने को सात हजार लोग छह महीने से परेशान

प्रयागराज। साहब, मेरी माताजी का देहांत सात महीने पहले हुआ था। मैंने परिवार रजिस्टर में उनके मृत्यु प्रमाणपत्र सहित सभी दस्तावेज लगाकर दे भी दिए। इसके बाद लेखपाल ने मौके पर सत्यापन भी किया। लेकिन आज आवेदन किस जगह है, इसके बारे में भी जानकारी नहीं है। सदर तहसील में अटाला के मुकेश कुमार कुछ इसी तरीके से कर्मचारियों के सामने अपनी समस्या बयां कर रहे थे। उनकी समस्या का समाधान जब कहीं नहीं हुआ तो उन्होंने तहसीलदार से शिकायत की और जब सुनवाई नहीं हुई तो एसडीएम से। एसडीएम ने हस्तक्षेप किया तो कागजात मिले। सरकारी दस्तावेजों में फैमिली आईडी कार्ड को प्रदेश सरकार भले ही एक महत्वपूर्ण दस्तावेज मान रही हो, लेकिन सदर तहसील में कर्मचारियों की अनदेखी से लोग परेशान हैं।

जिले के आठ तहसील कार्यालयों में अकेले सदर तहसील में ही सात हजार लोग छह महीने से अधिक समय से इस कार्ड के लिए कर्मचारियों और अफसरों की टेबल पर चक्कर काट रहे हैं। बड़ी बात यह है कि इनके दस्तावेज किस स्तर पर लंबित हैं, अब तक इसके बारे में भी कोई जानकारी देने वाला नहीं है। एसडीएम सदर अभिषेक सिंह का कहना है कि लंबित आवेदनों का निस्तारण किया जाता है, लेकिन कुछ मामलों में समस्या होती है। जो शिकायतें सामने आती हैं, उन्हें दस्तावेज उपलब्ध कराए जाते हैं।

जयंती पर गांधी–शास्त्री को किया नमन

प्रयागराज। केपी इंटर कॉलेज में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती गुरुवार को हर्ष एवं उल्लासपूर्वक मनाई गई। शुभारंभ मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष प्रशासन डॉ. केसी श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण से किया। सभी ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वागत प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह, संचालन उमेश खरे व धन्यवाद ज्ञापन दिनेश श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सचिव मुरली मनोहर सिन्हा एवं अतुल कुमार श्रीवास्तव, सुदीप कुमार, राकेश कुमार, आरपी मौर्य, प्रदीप, ओपी सिंह, समरजीत, फातिमा बनो, इंदु रानी, डॉ. रिंकू बसु, साधना मौर्या, पूर्णिमा, शिवलोचन संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

अमूल्य जीवन सेवा ट्रस्ट ने बुजुर्गों व विकलांगों को वितरित किए चेयर कमोड

मुजफ्फरनगर। आज, पुरकाजी के बढ़ीवाला में अमूल्य जीवन सेवा ट्रस्ट द्वारा एक विशाल बुजुर्गो के लिए कमोड वितरित शिविर लगाया गया जिसका शुभारंभ मुख्यातिथि अति

पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने फीता काट कर किया शिविर में तीन दर्जन से अधिक बुजुर्गो वे पैरालिसिस व्यक्तियो को इंग्लिश चेयर कमोड वितरित की गई इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉव राजवीर सिंह प्रजापति ने बताया हे क्षेत्र में ऐसे सैकडो बीमार बुजुर्ग पैरालिसिस विकलांग लोग हे जिनको इंग्लिश चेयर कमोड की जरूरत थी इस लिए शिविर लगाने की आवश्यकता पड़ी इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश वालिया, समाजसेवी जगदीश प्रजापति , मोर्चा नेता शादाब, यादराम प्रजापति, रामपाल, सोमपाल, उषा देवी, वैष्णी प्रजापति, धर्मपाल, नत्थू, समय सिंह, जयवीर, धर्मवीर, दीपक , धर्मेन्द्र आदि।

गांधी जयंती पर खानम आर्ट गैलरी में चित्रकला प्रतियोगिता सपन्न

चित्रकला निर्णायक विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को खानम आर्ट गैलरी ने किया सम्मानित

प्रयागराज। पावन पर्व गांधी जयंती के शुभ अवसर पर खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज की निदेशक कलाकार डॉ ज़ाहेदा खानम द्वारा निरूशुल्क चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तथा गांधीजी के जीवन दर्शन व गांधीजी के शानदार पोर्ट्रेट बनाएं। आमंत्रित

कलाकार ज़फर अली ने शानदार गांधीजी का पोर्ट्रेट बनाकर डेमोंस्ट्रेशन दिया। राज्य ललित कला आदमी के मा०सदस्य व नारायण आर्ट अकादमी के निदेशक प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा इस चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक(जज) रहे, जिनके निर्णयानुसार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अरबिया इसरार, द्वितीय पुरस्कार उमर खान, तृतीय पुरूस्कार ज़करिया नसीम एवं सांत्वना पुरस्कार ऩाज़रीन हुसैन को दिया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ ज़ाहेदा खानम ने चित्रकला निर्णायक रवीन्द्र कुशवाहा को बैच लगाकर एवं गिफ्ट हैंम्पर से सम्मानित किया।

बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार द्वारा वृहद स्वच्छता श्रमदान

रायबरेली। सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत बौद्धिक विचार मंच एवं पारम्परिक साहित्यकार परिषद, ऊंचाहार की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर वृहद श्रमदान किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर संस्था के महासचिव, कवि, शिक्षक डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष की अगुवाई में ऊंचाहार क्षेत्र के गांव सादे की बाज़ार स्थित मुक्तेश्वर मंदिर के आस पास विशेष साफ सफाई की गई। श्रमदान के

द्वारा स्वयं साफ सफाई करके लोगों को स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीण अंचल की महिलाओं ने भी अपने अपने घरों के आस पास सफाई कर स्वच्छता अभियान में योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि विगत बीस वर्ष से बौद्धिक विचार मंच, ऊंचाहार की यह संस्था सामाजिक बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक रुप से जागरुकता कार्यक्रम करती आ रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 52-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 — दिनांकः 29.09.2025

ई-निविदा सूचना (विद्युत सामान्य विभाग)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत् अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 24.10.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

क्रम सं.: 1	निविदा सूचना संख्याः ELG-106-2526	काम की लागत (रू. में): ₹ 9592025.15
कार्य का नामः प्रयागराज : एडीईएन/एफटीपी के तहत आरएक्सएम स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) में कमी की भरपाई के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 को उच्च स्तर तक बढ़ाने के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। प्रयागराज : एडीईएन/एफटीपी के तहत सीएचके स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) में कमी की भरपाई के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 को उच्च स्तर तक बढ़ाने का कार्य। प्रयागराजः एडीईएन/एफटीपी के तहत सीएनबीआई स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) में कमी की भरपाई के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 को उच्च स्तर तक बढ़ाने का कार्य।		
बिड सिक्योरिटी (रू. में): ₹ 191900.00	कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह	
क्रम सं.: 2	निविदा सूचना संख्याः ELG-107-2526	काम की लागत (रू. में): ₹ 8936653.10
कार्य का नामः 'एडीईएन/एल/सीएनबी के अंतर्गत पीएनकेडी स्टेशन पर 3 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर और बीपीयू, एमटीओ, आरआरएच सेक्शन में 1-1 यूनिट के प्रावधान' से संबंधित विद्युत कार्य। 'एडीईएन/मुख्यालय-II/सीएनबी के अंतर्गत लोको उत्तर रेलवे कॉलोनी में ध्वस्त क्वार्टरों के बदले 6 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर का प्रावधान' से संबंधित विद्युत कार्य। और 'डीईआर स्टेशन और एनटीपीसी/डीईआर के बीच एलसी गेटों की मैनिंग' से संबंधित विद्युत कार्य।		
बिड सिक्योरिटी (रू. में): ₹ 178700.00	कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह	
क्रम सं.: 3	निविदा सूचना संख्याः ELG-108-2526	काम की लागत (रू. में): ₹ 8445213.72
कार्य का नामः एसबीडीआर, सीयूके, एमजेडपी और एमकेपी में 4 पुराने स्टील टैंक और सीएआर में 1 पुराने आरसीसी टैंक को एसबीडीआर और सीयूके में 25000 गैलन क्षमता के नए आरसीसी ओवरहेड टैंक और एमकेपी, एमजेडपी और सीएआर में 50000 गैलन क्षमता के साथ-साथ सीनियर डेन/1/पीआरवाईजे अनुभाग में 7 ट्यूबवेल और संबंधित पाइप लाइनों आदि के साथ बदलने से संबंधित विद्युत कार्य। आरआरएच-टीडीएल-ईटीडब्ल्यू, एसकेबी और पीएचडी में 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओएच टैंक द्वारा पुराने स्टील ओएच टैंक को बदलने, जेजेके और ट्यूबवेल, पंप हाउस, पाइप लाइन में 25000 गैलन के संबंध में विद्युत कार्य।		
बिड सिक्योरिटी (रू. में): ₹ 168900.00	कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह	

निविदा खुलने की तिथिः 24.10.2025, समय- 15:00 बजे।

नोटः- (1) उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1801/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आरएसएस के 100 वर्ष पूरा होने पर शिक्षक नेता डॉ. कुलदीप मलिक की आरएसएस प्रमुख से अपील

बंद हो विद्या भारती के संस्थानों में शिक्षकों का आर्थिक रूप से शोषण

मुजफ्फरनगर। हाल ही में विश्व के सबसे बड़े संगठन यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर शिक्षक नेता डॉक्टर कुलदीप मलिक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रत्येक योद्धा को बधाई दी है और साथ ही साथ उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी से विद्या भारती के संस्थानों में हो रहे शिक्षकों के आर्थिक शोषण को बंद करने का निवेदन किया है। उन्होंने विद्या भारती के कई सारे शैक्षणिक संस्थानों पर न्यूनतम मजदूरी से भी कम वेतन देने का आप लगाते हुए कहा कि ऐसा करना कानूनी अपराध के अंतर्गत आता है।

कल सीनियर जर्नलिस्ट विपिन बेबाक को दिए गए अपने साक्षात्कार में डॉक्टर मलिक ने अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक राष्ट्रवादी संगठन है और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को हमेशा श्रेष्ठ बताता है वहीं दूसरी तरफ विद्या भारती के संस्थानों में कार्य करने वाले शिक्षकों को आर्थिक रूप से शोषण करने का कार्य भी करता है।

उन्होंने खुले तौर पर खुलासा किया कि 5 वर्ष पूर्व जब उन्होंने मेरठ सहारनपुर मंडल में चुनाव के दौरान उन्हें दोनों मंडलों के विद्या भारती के संस्थानों में प्रवास का शुभ

अवसर मिला तो उन्होंने अपनी आंखों से देखा कि वहां पर कार्य करने वाले शिक्षक बहुत ही काम सेलरी पर काम करते हुए अपने आपको आर्थिक रूप से शोषित समझते हैं।

अपने साक्षात्कार में एक तरफ जहां डॉक्टर मलिक ने विद्या भारती के संस्थाओं की तारीफ करते हुए कहा कि विद्या भारती आज पूरे देश में सबसे ज्यादा प्राइवेट शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन करती है और यहां प्राइवेट क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों की संख्या सबसे ज्यादा संख्या होने के साथ–साथ इन संस्थाओं का अनुशासन एवं विद्यार्थी यो को शिक्षा देने का तरीका बिल्कुल अलग है जो हर किसी के लिए प्रेरणादाई है वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों की कम सेलरी पर काम करना बहुत ही दुखद है। इस पर अपना दुख व्यक्त करते हुए डॉक्टर मलिक ने बताया कि एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुरु वंदन एवं गुरु दक्षिणा जैसे कार्यक्रम चलाकर गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करता है वही गुरुओं को कम वेतन देकर उनके शोषण का भी कार्य करता है जो अपने आप में बहुत ही सोचनीय है। उन्होंने सलाह देते हुए विद्या भारती संस्थाओं के संचालकों से निवेदन किया कि अगर उनके पास शिक्षकों को तनख्वाह देने के लिए फंड की कमी है तो वह सरकार से सहायता लेकर शिक्षकों को अपने संस्थानों में आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरा होने पर उनके द्वारा आरएसएस प्रमुख को किया गया उनका यह निवेदन रंग लाएगा और आने वाले समय में जल्द ही विद्या भारती के संस्थानों में गुरुओं को सम्मान के साथ–साथ सम्मानजनक वेतन भी दिया जाएगा।

विश्वनाथ के सभी पूजा पंडालों में महिलाओं ने एक दूसरे गालों सिंदूर लगाकर माँ दुर्गा को नम आँखों से विदाई दी

माँ दुर्गा के मूर्ति विश्वनाथ घाट में विसर्जित

विश्वनाथ, असम। राज्यों के अन्य हिस्सों के तरह विश्वनाथ जिला के सभी पूजा पंडालों के साथ पाभोई रोड में स्थित दुर्गा पूजा पंडाल शिवाजी संघ में भी विजया दशमी के शुभ अवसर पर श्रद्धालु माँ दुर्गा काअंतिम दर्शन करने के लिए तांता लगा रहा। जानकारी के अनुसार पूजा पंडाल में नेताजी शाखा द्वारा अस्त्र–शस्त्र पूजन कार्यक्रम भी किया गया।सर्वप्रथम पुजारी के मंत्र उच्चारण और विधि विधान द्वारा आज विजयादशमी पूजा संपन्न किया । पुजारी ने वेद की मंत्र उच्चारण से माँ दुर्गा के प्रतिबिंब को पात्र में गंगा जल समाहित में दर्शन करवाकर विसर्जित किया । इधर आज सभी पूजा पंडाल में माँ को अंतिम दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की तांता लगा रहा ।विश्वनाथ चारिआलि के बहु बजार में स्थित शिवाजी संघ के दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में विजया दशमी के शुभ क्षण में भक्तों की भीड़ उमड़ी । महिलाएं माँ दुर्गा के श्रीचरणों में आशीर्वाद लेते हुए माँ दुर्गा के मुंह में विभिन्न मिठाई खिलाते हुए दिखाई दी। इधर श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा के समीप अस्त्र पूजन की ।साथ ही माँ के गालों से पान के द्वारा आशीष ली।श्रद्धालुओं के चेहरे पूजा उत्साह की रौनक छायी रही। इधर विद्यार्थी भी अपने पुस्तक को

मां दुर्गा के श्रीचरणों में रखकर प्रणाम किया।महिलाएं एक दूसरे महिलाओं के गालों में सिंदूर खेलते हुए नजर आए। सभी महिलाएं ढाक के धुन में नृत्य की।तत्पश्चात् विश्वनाथ चारिआलि के दुर्गा पूजा पंडालों के माँ दुर्गा की प्रतिमा को भक्तों द्वारा नृत्य करते हुए गुप्त काशी विश्वनाथ घाट में विसर्जन दिया गया । जिले के सभी पूजा पंडाल में जातीय स्वरूप का अंकन किया गया।प्रायः पूजा समिति द्वारा समाज में एक जागरूकता लाने की चेष्टा की गई। इधर पाभोई रोड के शिवाजी संघ द्वारा सुप्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग के स्मृति में और असम के महान मनीषी साहित्यकार से आलोकित करने के उद्देश्य के साथ पूजा पंडाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पंच परिवर्तन आकर्षक केंद्र बिंदु बना था। साथ ही पूजा पंडाल के माँ भगवती के पीछे का आवरण सनातन का पवित्र तीर्थ स्थान मानसरोवर कैलाश पर्वत भय रूप भी दूसरे तरफ आकर्षित कर रहा था।कुल मिलाकर पूजा मंडल भारत का गौरवशाली परंपरा उजागर कर रहा है।यह पूजा पंडाल बुजुर्ग, सामाजिक व्यक्तियों , शिक्षाविद तथा बच्चों में आकर्षण का केंद्र बिंदु बना। सभी भक्त इस पंडाल में फोटोशूट लेते नजर आए'।

लोकपाल समाज शेखर ने बिहार ब्लाक का भ्रमण कर छेऊँगा ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण

ब्लाक सभागार में जन समान्य की शिकायतों की जन सुनवाई व प्रधान व मनरेगा कर्मियों से किया संवाद

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण 3 अक्टूबर को विकास खंड बिहार का भ्रमण व निरीक्षण कर मनरेगा कार्यो की जमीनी हकीकत से रुबरु हुए। लोकपाल ने ग्राम पंचायत छेऊंगा से आई शिकायतों का स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण किया।

बिहरिया ग्राम की शिकायत फर्जी पाई गई शिकायत कर्ता ने स्वयम उपस्थित होकर लिखित पुष्टि की। वहीं लोकपाल ने ब्लाक सभागार में जन समान्य की शिकायतों की जन सुनवाई की और मौके पर निस्तारण किया तथा व प्रधान व मनरेगा कर्मियों से संवाद किया गया।

लोकपाल समाज शेखर दोपहर ठीक 12 बजे विकास खंड विहार पहुँचे। ब्लाक सभागार में जन सामान्य व मनरेगा कार्मियो तथा प्रधान गणो की लिखित शिकायतों की जन सुनवाई व संवाद किया । तदोपरांत वह बीडीओ व मनरेगा सेल के साथ लोकपाल ने ब्लाक सभागार में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत आजीविका मिशन की महिला समूह सदस्यों से चर्चा की। वहीं जन समान्य की शिकायतों की जन सुनवाई की और मौके पर निस्तारण किया तथा व प्रधान व मनरेगा कर्मियों से संवाद किया गया तथा आवश्यक निर्देश दिया गया।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने छेउँगा ग्राम पंचायत के गौरव साहू के शिकायत के संदर्भ में व्यापक निरीक्षण किया। अधूरे कार्यो को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिया गया। पार्क, आर आर सी सेंटर, सुलभ शौचालय का कार्य अधूरा बताया गया जिसे पूर्ण करा के अविलंब अवगत कराये जाने के निर्देश ग्राम पंचायत को दिया गया। ग्रामीणों की मांग पर लोकपाल ने मुख्य मार्ग से धर्मशाला तक के मार्ग की पटरी को अबिलम्ब दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिया।

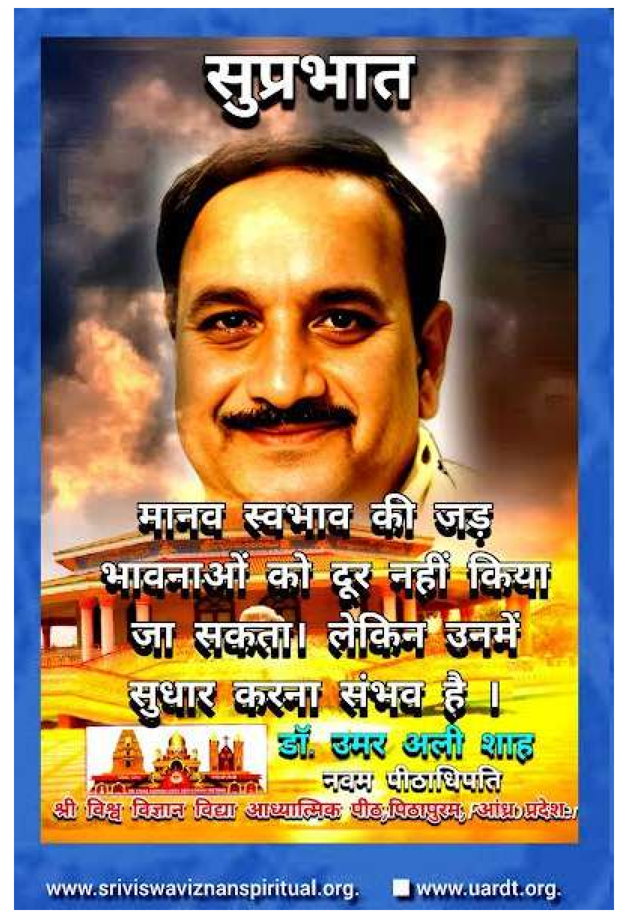

महकती रजनीगंधा

(कुण्डलिया)

रजनीगंधा में निहित, कामोद्दीपन शक्ति।
है खुशबू की तीव्रता, साथ प्रेम आसक्ति।
साथ प्रेम आसक्ति, बताती है गुण इसका।
जो भी गए करीब, वही गुण गाते उसका।
सुन लो कहें प्रदीप, महक बतलाता अन्धा।
मदकता जब घोल, महकती रजनीगंधा।।

कविता "लल्ला रूख" में, लिखते थामस सूर।
मलकिन है यह रात की, किस्सा है मशहूर।
किस्सा है मशहूर,बनी दुल्हन महफिल की।
रजनीगंधा नाम, महकती दुनिया जिसकी।
सुन लो कहें प्रदीप,समझ लो तनिक धर्मिता।
कवि के मन को जीत, बने जो उसकी कविता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में गांधी जयन्ती विषयक कार्यक्रम

प्रयागराज। महात्मा गांधी जी की स्वीकार्यता पूरे विश्व में थी। उनके शब्दकोष में दुश्मन जैसा शब्द नहीं था और वह सभी को सम्मान की दृष्टि से देखते थे और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते थे। यदि हम उनके जीवन का अत्यल्प अंश भी ग्रहण कर पाते हैं तो यह हमारे राष्ट्र के प्रति सबसे बड़ी सेवा होगी। गांधी जी ने सत्याग्रह और अहिंसा के द्वारा पूरे विश्व में भारत का परचम लहराया और मानव को मानव के प्रति ही नहीं मानव को प्रत्येक जीव के प्रति सम्मान पूर्वक व्यवहार करने का मार्ग दिखाया। यह विचार भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के भी थे। उस समय भारत में सीमा की सुरक्षा और देश में अकाल संबंधी समस्याएं थीं। अतः शास्त्री जी ने उन सब का निवारण किया और जय जवान और जय किसान जैसे नारे से देश में एक ऐसी अलख जगाई, जिससे भारत की सीमाएं भी सुरक्षित हुई और देश अकाल जैसी भीषण त्रासदी से मुक्त होकर देश आज हरित क्रान्ति के बल पर खाद्यान्नों का निर्यात कर रहा है। उक्त बातें 02 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर श्रद्धाञ्जली अर्पित करते हुए तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से मुख्य कुलानुशासक एवं अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. राजकुमार गुप्त ने विश्वविद्यालय परिसर के बहुउद्देशीय सभागार में कही।

कुलसचिव प्रो. विनीता यादव ने कहा कि गांधी जी जैसा व्यक्तित्व दुर्लभ है। यदि हम उनके जीवन का एक प्रतिशत भी अपने जीवन में धारण करते हैं तो यह हमारे जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अतुल कुमार वर्मा ने कहा कि हमें गांधी जी के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए।कुलसचिव प्रो. विनीता यादव के निर्देशन में सभी ने "वैष्णव जन को तेने कहिए" और "रघुपति राघव राजा राम" जैसे गांधी जी के प्रिय भजनों का सस्वर गायन किया। साथ ही शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा देशभक्ति गीत भी गाए गए।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी से सम्बन्धित शार्ट फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सञ्चालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं धन्यवाद–ज्ञापन संस्कृत विभाग की शिक्षिका डॉ. प्रिया झा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. राहुल कुमार, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. एन. बी. सिंह, डॉ. विवेक अग्रहरि, डॉ. विवेक कनौजिया सहित समस्त शिक्षक गण, सभी अधिकारी गण सभी कर्मचारी गण एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही। सभी ने विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर विश्वविद्यालय परिसर को हरित एवं स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। साथ ही शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शताधिक पौधरोपण करके उनके देखभाल का संकल्प भी लिया। सभी ने बढ़ चढ़कर कर कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

सम्पादकीय.......

बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई–प्रोफाइल अपराधों को समय–समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई–प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई–प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार–बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर–सवेर इस जीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ ताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर–सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफ लगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन का भविष्य

डॉ. दीपक पाचपोर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है।

बीते दो साल से फिलीस्तीन में चल रहे नरसंहार के खत्म होने के दिन करीब आते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। एक योजना बनाई गई है, जिसके तहत हमास को 72 घंटे के अंदर 20 जीवित इजरायली बंधकों को रिहा करना है और उन करीब 20 बंधकों के शवों को वापस करना है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी मौत हो चुकी है। योजना के मुताबिक हमास अपने हथियार त्याग देगा, इसके साथ ही उसकी सुरंगें और हथियार बनाने के ठिकाने नष्ट कर दिए जाएंगे। हर इजरायली बंधक के शव की रिहाई पर इजरायल 15 गजावासियों के शव लौटाएगा। योजना में यह भी कहा गया है कि जैसे ही दोनों पक्ष इस प्रस्ताव पर सहमत होंगे, गजा पट्टी में तुरंत पूरी सहायता भेजी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो अमेरिका नेतन्याहू के साथ खड़ा होगा। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास इस योजना ठुकराता है या इसका पालन नहीं करता है तो इजरायल अपने काम को अंजाम तक लेकर जाएगा। नेतन्याहू की इस धमकी का अर्थ यह है कि हमास को खत्म करने के नाम पर गजा पर कब्जे की जो योजना नेतन्याहू की बनी हुई है, वो हर हाल में पूरी होगी। दो सालों से तबाह गजा में अब और ज्यादा धमाके नहीं होंगे, जो बची–खुची जिंदगियां शेष हैं, वो शायद आगे भी बरकरार रहेंगी, इस बात को राहत की तरह देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की इस घोषणा का स्वागत किया है, ब्रिटेन, फ्रांस व यूरोपीय यूनियन के देश इस शांति प्रस्ताव से सहमत हैं। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्किए, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि मुस्लिम देश भी गजा के लिए बनी योजना पर सहमत हैं और फिलीस्तीन के अधिकारी भी इसे सकारात्मकता के साथ देख रहे हैं। फिलीस्तीन के पास अब और कोई रास्ता तो बचा ही नहीं है। बीते दो सालों में एक बसे–बसाए देश को पूरी तरह तबाह कर अब पश्चिमी ताकतों ने उसे फिर से बसाने की योजना बना दी है। पूंजीवाद की यही कार्यशैली है। पहले किसी चीज में खोट निकालो, उसे खत्म करो और फिर अपनी मर्जी का ऐसा ढांचा वहां खड़ा करो, जिससे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके। लालच का यह तंत्र इतना निष्ठुर है कि उसे बंजर जमीन, हरे–भरे जंगल, मूक जानवर, हाड़–मांस के इंसान किसी में कोई फर्क नहीं दिखता। उसका बुलडोजर सब पर एक तरह से चलता है। गजा अब पूंजीवाद के बुलडोजर से पूरी तरह समतल होने जा रहा है। इसलिए अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिलें कि बंधकों की रिहाई, शवों की वापसी हो जाएगी, आगे और हमले भी नहीं होंगे। लेकिन हमास को खत्म करने के नाम पर जिन मासूमों की जान ली गई है, उन्हें क्या कभी इंसाफ नहीं मिलेगा।अभी पिछले हफ्ते तक संरा महासभा में फिलीस्तीन के समर्थन में आवाजें उठ रही थीं, उसे मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ रही थी, और बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में जिस तरह कई देशों के राजदूत उठकर चले गए, उसमें यह खुशफहमी बनी कि वैश्विक व्यवस्था में अघोषित बदलाव हो रहा है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्ता पुनरूस्थापित हो रही है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ की जगह लेते जा रहे हैं या ले चुके हैं। ट्रंप खुद दावा करते रहते हैं कि कितने देशों के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाए हैं, यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का दावेदार बताया जाने लगा है। अब गजा में तथाकथित शांति बहाली के बाद यह दावेदारी और बढ़ जाएगी। फिर यह सवाल नहीं होंगे कि शांति प्रस्ताव के बाद अब जो फिलीस्तीन खड़ा किया जाएगा, उसकी डोर असल में किसके हाथ में रहेगी। यह तो घोषित तथ्य है कि इजरायल को शुरु से अमेरिका का पूरा समर्थन रहा है। बीते कुछ दिनों में ट्रंप ने चाहे नेतन्याहू को हमले रोकने या और ज्यादा हिंसा बर्दाश्त न करने की बात कही है, लेकिन यह केवल दिखावटी बातें थीं। इजरायल अमेरिका की छत्रछाया में ही फला–फूला है और अब फिलीस्तीन को भी अमेरिका की कठपुतली सरकार मिलेगी, यह तय है।गौरतलब है कि अमेरिका ने गजा की भावी शासन व्यवस्था की जो रूपरेखा रखी है, उसमें एक गैर–राजनीतिक फिलीस्तीनी कमेटी गजा पर अस्थायी रूप से शासन करेगी, इसकी देखरेख एक नयी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिशन बॉडी श्बोर्ड ऑफ पीसश करेगी। कहा जा रहा है कि इसका नेतृत्व ट्रंप खुद करेंगे, लेकिन इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की भी अहम भूमिका रहेगी, ऐसी खबरें हैं। इस योजना में फिलीस्तीनी शासन में हमास की कोई भूमिका नहीं रहेगी। अमेरिका की श्आर्थिक विकास योजनाश के तहत गजा का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि श्इजरायल गजा पर न तो कब्जा करेगा और न ही उसे अपने देश में मिलाएगाश और उसकी सेनाएं समय के साथ ही चरणबद्ध तरीके से पीछे हटेंगी। इस बार ट्रंप ने अपने पिछले बयानों के उलट कहा है कि फिलीस्तीनियों को गजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। लोगों को वहीं रहने और बेहतर गजा बनाने का अवसर दिया जाएगा। सबसे खास बात यह कि इस योजना में एक फिलीस्तीनी राष्ट्र की संभावना के लिए दरवाजा भी खुला छोड़ा गया है। यहूदियों को इजरायल में बसाने से पहले से फिलीस्तीनी राष्ट्र बना हुआ था, लेकिन अब उसे अपनी ही जमीन पर वैध पहचान का मोहताज बनाया जा रहा है।

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली सौ वर्ष

दीपक कुमार त्यागी

डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने पावन पर्व विजयदशमी के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित के लिए की थी। संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करते हुए अपने कार्यों के दम पर करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से योगदान देने का कार्य निरंतर कर रहा है। हालांकि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण के दिन से ही उसके बारे में तरह–तरह का दुष्प्रचार करने की क्षणिक स्वार्थ पूरा करने वाली राजनीति की जबरदस्त ढंग से होती रही है, यह लोग ओछी राजनीति से वशीभूत होकर के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि आरएसएस की कोई भी भूमिका नहीं रही, आम जनमानस को ऐसा बता कर के संघ के प्रति आम जनमानस को बरगलाने का प्रयास करते हैं, जो सरासर ग़लत है। वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। इसलिए समय रहते हम लोगों को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का अनुशासित सांस्कृतिक संगठन है, संघ का स्वयंसेवक बिना किसी लोभ–लालच के राष्ट्र व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से अपने तन, मन और समय को अर्पित करने का कार्य करता है। एक सच्चे स्वयंसेवक का जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है, वह राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हर पल तत्पर रहता है। वैसे भी किसी भी ताकतवर राष्ट्र के निर्माण के लिए अनुशासन व नैतिकता बेहद आवश्यक होती है, इन दोनों के बिना किसी भी ताकतवर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के लिए नैतिकता व अनुशासन सर्वोपरि होता है, इसलिए उसका राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है। संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर ही दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म–संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ अपने निर्माण के सौ वर्षों के लंबे सफ़र के बाद अब अपनी कार्यशैली के बलबूते दुनिया के ताकतवर बड़े गैर–सरकारी संगठन (एनजीओ) में शुमार हो गया, आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक फैलें हुए हैं और सबसे अहम बात यह है कि संघ दुनिया भर का एक ऐसा संगठन है, जोकि अपनी स्थापना के सौ वर्षों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, आज भी अपनी विचारधारा पर संघ पूरी तरह से कायम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली हमेशा अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करना जारी रखती और कभी भी श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं करती है। हालांकि देश व दुनिया में जब से डिजिटल क्रांति आयी है तब से लोगों को यह पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। देश की आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हुए राष्ट्र व समाज हित में निरंतर कार्य कर रहा है। आज देश के दूरदराज इलाकों तक में भी संघ अपनी 55 हज़ार शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर अंजाम दे रहा है। राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य की बात करें तो संघ के स्वयंसेवकों ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की सहायता करते हुए, उन लोगों के जान–माल की सुरक्षा करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया था। संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था। संघ के स्वयंसेवक अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़–चढ़कर के हिस्सा लेते आये है। भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान, युद्ध, महामारी (प्लेगध व कोरोना आदि) और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा अपनी जान की परवाह किए बिना ही राहत व बचाव के कार्यों में बढ़–चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाते हुए नज़र आते हैं। विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से संघ देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। संघ के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30 हज़ार शिक्षण संस्थाओं में 9 लाख शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र–छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। वहीं आज देश के विभिन्न दूरदराज तक के हिस्सों में शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है। वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में भी संघ ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था। संघ देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

शब्दों की शक्ति: कलम और वाणी का चमत्कारस

संजीव ठाकुर

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन–कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार हैय अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी–कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि ”बोलने और लिखने से पूर्व बार–बार सोचो।“ क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है। राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह हैदृदृ प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और दोहों से जन–मन में रमे हुए हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन–जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास–साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी। इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत–मनीषियों ने कहा ”संभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।“ अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति–दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस–यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर लड़ी थी आजादी की लड़ाई

02 अक्तूबर को महान स्वतंत्रता सेनानी और 19वीं सदी के सबसे सम्मानित राजनेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। गांधीजी के करिश्माई नेतृत्व के कारण ही भारत में 200 सालों से राज कर रही ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। महान स्वतंत्रता सेनानी और 19वीं सदी के सबसे सम्मानित राजनेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 02 अक्तूबर को जन्म हुआ था। महात्मा गांधी के त्याग और देश की आजादी में उनके अहम योगदान के लिए उनको श्राष्ट्रपिताश का दर्जा दिया गया। वहीं देश के लोग उनको प्यार से बापू कहकर पुकारते हैं। महात्मा गांधी के करिश्माई नेतृत्व के कारण ही भारत में 200 सालों से राज कर रही ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

गुजरात के पोरबंदर में 02 अक्तूबर 1869 को महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। इनके पिता का नाम करमचंद गांधी और मां का नाम पुतलीबाई था। वहीं महज 13 साल की उम्र में महात्मा गांधी की शादी कस्तूरबा से कर दी गई। कस्तूरबा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी का पूरा सहयोग किया था।

सत्य और अहिंसा के पुजारी थे गांधीजी

महात्मा गांधी की ताकत सत्य और अहिंसा के सिद्धांत थे। उन्होंने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाकर आजादी की लड़ाई में कई आंदोलन किए। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह, दांडी सत्याग्रह ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव कमजोर करने में अहम रोल अदा किया था।

स्वतंत्रता के बाद गांधी जी के कार्य

देश की आजादी के बाद भी महात्मा गांधी ने सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए कई काम किए। वह देश की शांति और सौहार्द को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने लोगों को संयम, सच्चाई और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

सादगी भरा जीवन जीते थे

महात्मा गांधी ने अपना पूरा जीवन सादगी के साथ जिया। क्योंकि उनका मानना था कि सादगी की जीवन का असली सौंदर्य है। वह एक धोती पहनकर पदयात्रा करते थे और आश्रम में रहते थे। महात्मा गांधी के इसी सादगीपूर्ण जीवन से प्रभावित होकर लोगों ने उनको श्बापूश कहना शुरूकर दिया था।

ऐसे बने ‘राष्ट्रपिता’

बता दें कि सबसे पहले सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी को श्राष्ट्रपिताश का सम्मान दिया था। सुभाष चंद्र बोस ने गांधी जी को यह उपाधि इसलिए दी थी, क्योंकि वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता था और उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत से आजादी पाने के लिए पूरे देश को एकजुट करने का काम किया था।

मृत्यु

देश की आजादी के कुछ समय बाद नाथुराम गोडसे ने 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर जल्द कर रही हैं सगाई, रोहन ठक्कर संग शादी की तैयारी

बॉलीवुड के कपूर खानदान में शादी की खुशी छाने वाली है। अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई करने जा रही हैं। इस खुशखबरी ने फैन्स और परिवार दोनों में उत्साह बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक अंशुला की इंगेजमेंट सेरेमनी 2 अक्टूबर को होगी, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी रहेगी। समारोह को सिंपल और पारिवारिक रखा गया है। इस खास मौके की शुरुआत एक पूजा से होगी, जिसमें अंशुला के पिता बोनी कपूर, भाई अर्जुन कपूर और बहनें जाह्नवी तथा खुशी कपूर भी शामिल होंगी। हालांकि इंगेजमेंट का ये समारोह सीमित मेहमानों के साथ मनाया जाएगा, लेकिन कपूर फैमिली की ग्रैंड वेडिंग की चर्चाएं पहले से ही शुरू हो गई हैं। अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है जितनी उनकी शादी की खबर। जुलाई में अंशुला ने बताया था कि रोहन ने उन्हें न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में प्रपोज किया था। ये प्रपोजल बेहद खास था क्योंकि रोहन ने इंडियन टाइम के मुताबिक रात 1:15 बजे घुटनों के बल बैठकर प्रपोज किया था, जो उस वक्त के साथ मेल खाता था जब दोनों की पहली बातचीत किसी डेटिंग ऐप पर हुई थी। अंशुला ने इंस्टाग्राम पर इस पल को "एक परी कथा से भी बेहतर" बताया, जिसमें हंसी, आंसू और भावनाओं का समंदर था। उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी लव स्टोरी भी साझा की, जिसमें बताया कि कैसे दोनों की बातचीत एक दिन की शुरुआत में मंगलवार रात 1:15 बजे हुई थी और तब से उनका रिश्ता गहरा होता गया। अंशुला ने बताया कि वे और रोहन एक डेटिंग ऐप पर मिले थे और उनकी बातचीत एक खास मंगलवार की रात 1.15 बजे शुरू हुई। बातचीत इतनी खास थी कि वे सुबह 6 बजे तक जुड़े रहे और उनके बीच का रिश्ता धीरे–धीरे मजबूत होता गया। हालांकि अंशुला और रोहन ने अभी तक शादी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ये कपल दिसंबर 2025 में शादी के बंधन में बंध सकता है। कपूर परिवार और फैंस इस ग्रैंड वेडिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की ये सगाई बॉलीवुड में नए रिश्तों और खुशियों की शुरुआत की तरह देखी जा रही है। आने वाले समय में इस जोड़े से जुड़ी और भी खबरें सामने आएंगी, जिन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

> “
> अंशुला ने इंस्टाग्राम पर इस पल को "एक परी कथा से भी बेहतर" बताया, जिसमें हंसी, आंसू और भावनाओं का समंदर था। उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी लव स्टोरी भी साझा की, जिसमें बताया कि कैसे दोनों की बातचीत एक दिन की शुरुआत में मंगलवार रात १:१५ बजे हुई थी और तब से उनका रिश्ता गहरा होता गया।

ट्विंकल खन्नां ने साझा किया ऋषि कपूर से जुड़ा मजेदार किस्सा

ट्विंकल खन्ना ने ऋषि कपूर से जुड़े एक मजेदार किस्से का खुलासा किया, जिसके चलते सालों पहले उन्हें सोशल मीडिया पर उनकी नाजायज बेटी समझा गया। यह कहानी सुनकर आलिया भट्ट के अजीब हाव–भाव देखने लायक थे, जब ट्विंकल ने हंसते हुए स्पष्ट किया कि यह केवल एक पुरानी गलतफहमी थी।

ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के एक एपिसोड में दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर से जुड़ा एक अजीबोगरीब लेकिन हल्का–फुल्का किस्सा साझा किया है, जिसने इंटरनेट पर सुर्खियां बटोरी हैं। इस एपिसोड में आलिया भट्ट और वरुण धवन विशेष अतिथि थे।

ट्विंकल ने खुलासा किया कि सालों पहले ऋषि कपूर के एक मासूम से जन्मदिन के ट्वीट के कारण सोशल मीडिया यूजर्स ने यह मान लिया था कि वह उनकी नाजायज बेटी हैं। यह गलतफहमी कपूर के एक अजीबोगरीब मैसेज से पैदा हुई, जिसमें उन्होंने ट्विंकल की मां डिंपल कपाड़िया के साथ उनकी गर्भावस्था के दौरान फिल्मांकन की यादें ताजा की थीं।

ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में याद करते हुए कहा, श्मैं आलिया के ससुर (ऋषि कपूर) की वजह से लगभग कपूर बन ही गई थी। मेरे जन्मदिन पर, उन्होंने बड़ी उदारता से ट्वीट किया, ओह, तुम्हें पता है... जब तुम अपनी मां के पेट में थीं, तो मैंने उनके लिए गीत गाए थे। और इसलिए, सभी को लगा कि मैं उनकी नाजायज बेटी हूं। इस मजाकिया गलतफहमी ने इंटरनेट पर तेजी से तूल पकड़ा, जिसके बाद ऋषि कपूर को खुद आगे आकर सफाई देनी पड़ी। बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए ट्वीट किया और पूरा मामला समझाया जन्मदिन मुबारक हो, प्यारी! 1973 में जब मैं बॉबी में तुम्हारी मां को गाना गा रहा था, तब तुम उनके पेट में थीं, हाहा।

शो के दौरान, जब ट्विंकल यह किस्सा सुना रही थीं, तो काजोल ने आलिया भट्ट के अजीब हाव–भाव की ओर इशारा किया। इस पर ट्विंकल ने हंसते हुए कहा, मैं तुम्हारी भाभी नहीं हूं; यह एक गलती थी। वरुण धवन ने भी मजाक करते हुए कहा कि आलिया को समझ नहीं आ रहा कि कैसे रिएक्ट किया जाए।

दिलजीत दोसांझ ने राजवीर जवंदा को लेकर कह दी ये बड़ी बात, हांगकांग कॉन्सर्ट में लोगों से की खास अपील

हांगकांग में अपने कॉन्सर्ट के दौरान पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने म्यूजिक रोककर साथी गायक–अभिनेता राजवीर जवंदा के लिए दुआ की, जो गंभीर बाइक हादसे के बाद जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। दिलजीत ने हजारों दर्शकों से अपील की कि वे राजवीर के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करें। उन्होंने राजवीर को बहुत प्यारा भाई और बेहद खूबसूरत गायक भी बताया।दिलजीत ने भावुक होकर कहा, कृपया उनके लिए प्रार्थना करें। सच्ची दुआ का बहुत असर होता है। वह जल्दी ठीक हों और हमारे बीच लौटें। वह बहुत खूबसूरत गायक हैं, राजवीर वीरा। उन्होंने राजवीर के सरल और विवादों से दूर रहने वाले स्वभाव की भी प्रशंसा की। दिलजीत ने कहा, जब आप किसी के लिए दिल से प्रार्थना करते हैं, तो वह जरूर पूरी होती है। कॉन्सर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शनिवार को हुए बाइक हादसे में राजवीर को गंभीर सिर और रीढ़ की चोटें आईं। उन्हें पहले सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उन्हें हार्ट अटैक भी आया। इसके बाद उन्हें फोर्टिस अस्पताल, मोहाली शिफ्ट किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी अस्पताल पहुंचे और पुष्टि की कि राजवीर अभी भी बेहोश हैं, लेकिन उनकी स्थिति कल से बेहतर है। राजवीर जवंदा अपने हिट गानों जैसे काली जवांदे दी, मेरा दिल और सरदारी के लिए जाने जाते हैं और पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय कर चुके हैं। बाइकिंग के शौकीन राजवीर अक्सर अक्सर अपने हिल्स राइड के वीडियो शेयर करते थे।

आर्यन खान की 'द बैड्'स ऑफ बॉलीवुड' के लिए राघव, रजत और फराह ने की मजेदार बातचीत

सीरीज द बैड्'स ऑफ बॉलीवुड ने दुनिया भर के दिलों पर राज कर वाकई में एक अनोखी सफलता हासिल कर ली है। आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी यह 7–एपिसोड की सीरीज एक मजबूत असर छोड़ चुकी है और फिलहाल में नेटफ्लिक्स पर भारत में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जो इस बात का सबूत है कि इसे कितना प्यार मिला है। हालांकि, ऐसा लगता है कि शो का क्रेज अभी कम नहीं होने वाला, क्योंकि इसका खुमार राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान पर भी देखने मिल रहा है। द बैड्'स ऑफ बॉलीवुड के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान के बीच मजेदार बातचीत को कैद किया गया है। वीडियो में, जहाँ राघव और फराह बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं रजत बीच में कूद पड़ते हैं, जिससे शो की याद दिलाने वाला एक मजेदार माहौल बन जाता है। ऐसे में वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में आगे लिखा है। उन्होंने कमेंट्स में भी अपना प्यार जाहिर किया।आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आसमान सिंह (लक्ष्य लालवानी) की कहानी बताती है। यह एक मेहनती आउटसाइडर है, जो बॉलीवुड की फेम, ग्लैमर और पावर गेम्स की दुनिया में खुद को बचाने की कोशिश करता है। ऐसे में यह शो तीखे सैटायर और जोरदार ड्रामा को मिलाते हुए, यह बेझिझक इंडस्ट्री की छिपी हुई हकीकतों को सामने लाता है।और इसे और भी रोमांचक बनाते हैं बॉलीवुड के दिग्गजों जैसे शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, करण जौहर और कई अन्य के अचानक आने वाले कैमियो, जो कहानी में स्टार पावर जोड़ते हैं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि गौरी खान इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रही हैं। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जूयाल, अन्या सिंह, मनोज पहवा, मनीष चौधरी, सहेर बम्बा, गौतमी कपूर, राजत बेदी और अन्य जैसे स्टार कलाकार शामिल हैं। यह सबसे ज्यादा इंतेजार कियाबजा रहा शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर 2025 को प्रीमियर हो चुका है।

नेटफ्लिक्स लेकर आया 'कुरुक्षेत्र' का ट्रेलर, महाभारत की धरती पर धर्म और भाग्य की गूंज

नेटफ्लिक्स ने अपनी नई एनिमेटेड सीरीज 'कुरुक्षेत्र' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह भव्य सीरीज महाभारत की अनकही कहानियों को 18 योद्धाओं के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जहां हर किरदार धर्म, नैतिकता और भाग्य से जूझता दिखाई देगा। इस महागाथा का मूल संदेश भगवान कृष्ण के शब्दों में गूंजता है– "इस युद्ध में न कोई मित्र है, न कोई शत्रु।"सीरीज का पहला सीजन 10 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसमें अर्जुन के द्वंद्व, द्रौपदी की प्रतिज्ञा, दुर्योधन की महत्वाकांक्षा और भीष्म पितामह की नीतियों जैसे प्रसंगों को भावनात्मक अंदाज में पेश किया जाएगा। यह सिर्फ एक युद्ध की कथा नहीं, बल्कि रिश्तों के बिखराव और नैतिक संकटों की कहानी है। इस सीरीज को अनु सिक्का ने कॉन्सेप्ट और क्रिएट किया है। इसका निर्माण टिपिंग प्वाइंट के तहत आलोक जैन, अनु सिक्का और अजीत अंधारे ने किया है। निर्देशन और लेखन की जिम्मेदारी उजान गांगुली ने निभाई है, जबकि हाइटेक एनीमेशन ने इसे जीवंत किया है। इस महाकाव्य की गहराई में गुलजार के लिखे गीत और संवाद नई जान डालते हैं। सीरीज के ट्रेलर में ही इसके शानदार एनीमेशन, दमदार म्यूजिक और गहन भावनाओं की झलक साफ मिलती है। कुरुक्षेत्र दर्शकों को महाभारत की दुनिया को एक नए, आधुनिक और प्रभावशाली अंदाज में अनुभव कराने का वादा करता है।

ऋतिक रोशन और सबा आजाद के रिश्ते के 4 साल पूरे, शेयर की अनदेखी तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन और उनकी गर्लफ्रेंड, एक्ट्रेस–म्यूजिशियन सबा आजाद ने हाल ही में अपने रिश्ते के चार साल पूरे होने का जश्न मनाया है। इस मौके पर दोनों ने अपने–अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर कुछ बेहद प्यारी और अनदेखी तस्वीरें साझा कर इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है। इस जोड़े ने 2021 में तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्हें पहली बार एक रेस्टोरेंट से हाथों में हाथ डाले बाहर निकलते हुए देखा गया था। बाद में, करण जौहर के 50वें जन्मदिन की पार्टी में उन्होंने आधिकारिक तौर पर एक कपल के रूप में अपनी सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई और तब से ही वे एक–दूसरे से अविभाज्य बने हुए हैं। अपने चार साल के इस खास सफर का जश्न मनाते हुए, ऋतिक और सबा ने एक–दूसरे के लिए दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा। तस्वीरों की सीरीज में दोनों की सेल्फी, जन्मदिन के जश्न, विदेशी छुट्टियां और उनके बीच के गहरे प्यार की झलकियां शामिल हैं। अधिकांश तस्वीरों में ऋतिक, सबा को अपनी बाहों में प्यार से जकड़े हुए नजर आ रहे हैं, जो उनकी मजबूत केमिस्ट्री को दर्शाता है।

ऋतिक रोशन ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'मुझे आपके साथ जीवन में चलना पसंद है... हैप्पी 4जी पार्टनर #curioussouls #loveislearning #togetherisbetter'। वहीं, सबा आजाद ने भी इसी भावना को दोहराते हुए लिखा, 'मुझे आपके साथ जीवन में चलना पसंद है ... हैप्पी 4जी पार्टनर'।

अनार के छिलके का चमत्कार देखकर आप भी हो जाएंगे दंग, काले दाग–धब्बे होगें दूर

आपके घर पर अनार आते हैं लेकिन उनके छिलके फेंक देते हैं तो ऐसा बिल्कुल न करें। अनार के छिलकों को फेंक नहीं, इसका इस्तेमाल स्किन केयर में कई तरीकों से किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें।

बिजी लाइफस्टाइल के चलते आजकल लोगों के पास अपने स्किन केयर के लिए भी टाइम नहीं है। ऐसे में हम सभी महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और ब्यूटी सैलून से स्किन ट्रीटमेंट कराते है। स्किन ट्रीटमेंट के बाद त्वचा में निखार तो आता लेकिन केमिकल की वजह से कुछ दिन बाद त्वचा बेजान और रंगत खो देती है।कई बार तो चेहरे पर पिंपल्स निकलने लगते हैं। इससे बेहतर है घरेलू उपाय से स्किन को ग्लोइंग बनाना। वैसे तो अनार के दाने खाना सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसी के साथ इसके छिलकों को भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें।

अनार के छिलको का इस्तेमाल ऐसे करें

स्किन पर अनार के छिलकों को इस्तेमाल करने के लिए आप पहले अनार के छिलकों को लें और इसे अच्छी तरह से धो लें। इसे आप एक छन्नी में डालें और इसका सारा पानी पूरी तरह से निकल दें। इसके बाद छिलकों को एक सूती कपड़े पर फैलाएं और अच्छी तरह से सूखने के लिए रख दें। आप इसे धूप में सूखाएं। ये जब अच्छे से सूख जाए और एकदम कड़क हो जाए। इसके बाद आप इनको मिक्सर में डालकर पाउडर बना लें। अब इस पाउडर का यूज आप घरेलू रेमेडीज में कर सकते हैं।

इन तरीकों से अनार के छिलकों का प्रयोग करें

दही में मिलाएं

एक चम्मच पाउडर को डेढ चम्मच दही के साथ मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे अपने पर लगा लें। 10 मिनट लगा रहने के बाद इसे हाथों से गीला करें और फिर चेहरे की मसाज करते हुए हटा दें।

ओट्स के साथ इस्तेमाल करें

इतना ही नहीं, चेहरे को स्क्रब करने के लिए आप इसे ओट्स के साथ मिला सकते हैं। इसके लिए ओट्स पाउडर, अनार छिलके का पाउडर, शहद और दूध के साथ मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और स्क्रबिंग करें। डेड स्किन निकालने और दाग–धब्बे हटाने का ये अच्छा तरीका है।

गुलाब जल के साथ मिलाएं

फेस पैक बनाने के लिए अनार के छिलकों को गुलाब जल के साथ भी मिक्स करें।

नवरात्रि में बनाएं एकदम खिली–खिली साबूदाना की खिचड़ी, नोट करें रेसिपी

श्राद्ध पक्ष खत्म होते ही नवरात्रि का पर्व शुरु होगा। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा की जाती है। भक्त जन 9 दिनों तक व्रत रखा जाता है। नौ दिनों तक व्रत रखने के वाले व्यक्ति को फलाहार के लिए कुछ खास रेसिपी भी जरुर बनाता है। ज्यादातर लोग नवरात्र में साबूदाना खिचड़ी जरुर बनाते हैं। इससे पेट भी भरा रहता है। साबूदाना खिचड़ी हम सभी घर पर बना तो लेते हैं लेकिन ये बार–बार छिपक जाती है। खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी बनाना काफी मुश्किल होता है। आइए जानते हैं नवरात्रि में पहले कैसे बनाएं खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी।

साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए सामग्री

– 1 कटोरी साबूदाना
– 1/2 कटोरी मूंगफली दाना
– 1 उबला हुआ आलू
– 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया
– 2 कटी हुई हरी मिर्च
– 1 नींबू
– 10 कढ़ी पत्ते
– 1 छोटा चम्मच घी
– स्वादानुसार सेंधा नमक

साबूदाना खिचड़ी बनाने का तरीका

सबसे पहले आप साबूदाना साफ करें फिर उसे धोकर 2–3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। ऐसा करने से साबूदाना फूलकर नरम हो जाएगा। फिर आप एक पैन में मूंगफली के दाने डालकर धीमी आंच पर भून लें और ठंडे होने के लिए रख दें। मूंगफली दाने ठंडे होने के बाद उन्हें हाथों मसलकर छिलके अलग करके दरदरा कूट लें। फिर आप आलू, हरी मिर्च, हरी धनिया पत्ती तो बारीक–बारीक काट लें। इसके बाद एक कड़ाही लें उसमें घी डालकर मीडियम आंच पर गर्म कर लें। घी गर्म करें उसमें जीरा डालकर भूनें। इसे फ्राई करें फिर भिगोकर रखा हुआ साबूदाना दाना डालकर करछी से अच्छी तरह मिक्स रहें। 5 मिनट बाद साबूदाना दरदरी कूटी हुई मूंगफली, हरी धनिया पत्ती और सेंधा नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। सबसे आखिरी में आप नींबू का रस डालकर खिचड़ी को 2 मिनट और पकाकर गैस बंद कर दें और आपकी व्रत वाली साबूदाना खिचड़ी तैयार है।

ठंड के मौसम में रूखी त्वचा से बचने के बेस्ट स्किनकेयर टिप्स

गर्मियों का सीजन जाने वाला है और कुछ ही महीनों में सर्दियां आने वाली हैं। जिस तरह गर्मियों में हम अपनी स्किन को धूप, टैनिंग, धूल–प्रदूषण और ऑयली स्किन होने से बचाते हैं ठीक उसी तरह हमें सर्दियों में भी अपनी त्वचा की बेहद देखभाल करनी चाहिए। सर्दियों में ज्यादा ठण्ड की वजह से स्किन ड्राई हो जाती है, जिससे स्किन में खुजली की समस्या हो जाती है और खुजली करके हम अपनी स्किन में रेडनेस की समस्या पैदा कर लेते हैं। इस लेख में, हम आपको कुछ खास सुझाव देंगे जिनसे आप सर्दियों में अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार रख सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

सर्दियों में ठंड के कारण हम अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन त्वचा को नमी प्रदान करने और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। कम पानी पीने से त्वचा रूखी और बेजान हो सकती है। सर्दियों में भी आपको 8–10 गिलास पानी पीने की आदत बनाए रखनी चाहिए, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर रहे और ड्राईनेस की समस्या न हो।

मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल

सर्दियों में त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है। मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को रूखेपन से बचाता है और उसे मुलायम बनाए रखता है। साथ ही, सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी न भूलें। सर्दियों में धूप से संपर्क बढ़ जाता है, जिससे सनबर्न होने का खतरा रहता है। चाहे धूप हो या बादल, सनस्क्रीन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है। इसे घर से बाहर निकलने से पहले जरूर लगाएं।

गर्म पानी का इस्तेमाल न करें

ठंड के मौसम में नहाने के लिए अक्सर हम गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्म पानी से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे रूखेपन की समस्या बढ़ जाती है। इसके बजाय हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करें और नहाने के बाद बॉडी पर तेल या मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा नमी से भरपूर बनी रहे।

क्लींजिंग पर ध्यान दें

सर्दियों में आलस के कारण हम अक्सर चेहरे की सफाई नहीं करते, लेकिन क्लींजिंग करना बेहद जरूरी है। चेहरे की गंदगी और धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए कच्चा दूध एक बेहतरीन विकल्प है। कच्चा दूध त्वचा को गहराई से साफ करता है और उसे नमी प्रदान करता है। मुलायम कॉटन पैड को कच्चे दूध में डुबोकर हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। यह प्रक्रिया आपकी त्वचा को साफ और ताजा बनाए रखेगी।

विटामिन–सी से भरपूर आहार लें

सर्दियों में विटामिन–सी युक्त आहार आपकी त्वचा को भीतर से स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। संतरे और आंवले में विटामिन–सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारने में मदद करती है। विटामिन–सी त्वचा की रंगत में सुधार करता है और उसे संक्रमण से बचाता है।

सर्दियों में त्वचा की सही देखभाल के लिए ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, और सही आहार का सेवन करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और हाइड्रेटेड रख सकते हैं। सर्दियों के मौसम में थोड़ी सी देखभाल आपकी त्वचा को शुष्क हवाओं से बचाकर उसकी प्राकृतिक चमक बनाए रखेगी।

चश्मे से निजात दिलाने वाले 7 फूड्स, चेहरे पर भी आएगा निखार!

आंखें हमारे शरीर का एक अनमोल हिस्सा हैं, जिनकी मदद से हम दुनिया को देख सकते हैं। लेकिन आज की बदलती जीवनशैली और गैजेट्स के अधिक उपयोग के कारण आंखों की रोशनी कमजोर होना एक आम समस्या बन गई है। अगर आप भी अपनी आंखों की सेहत को लेकर चिंतित हैं और चश्मे से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको अपने खानपान में कुछ खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आइए, जानते हैं वो 7 चीजें जिनका सेवन आपकी आंखों की रोशनी बढ़ा सकता है और आपके चेहरे पर भी निखार ला सकता है।

पालक

पालक विटामिन ए, सी, के, फोलेट, पोटेशियम और आयरन का एक बेहतरीन स्रोत है। इसके सेवन से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। पालक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और कैरोटिनॉयड्स आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। रोजाना पालक का सेवन सलाद, सब्जी, या स्मूदी के रूप में किया जा सकता है।

गाजर

गाजर विटामिन ए का सबसे अच्छा स्रोत मानी जाती है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद बीटा–कैरोटीन आंखों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आप गाजर का सेवन सलाद, जूस, या सब्जी के रूप में कर सकते हैं।

टमाटर

टमाटर में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों के लिए लाभकारी होते हैं। इसके अलावा, टमाटर में लाइकोपीन नामक एक एंटीऑक्सीडेंट भी होता है, जो आंखों को धूप के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। आप इसे सलाद या सब्जी में शामिल कर सकते हैं और इसे चेहरे पर लगाकर त्वचा का निखार भी बढ़ा सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें ल्यूटिन, जेक्सैन्थिन, और विटामिन सी जैसे तत्व होते हैं, जो आंखों की रक्षा करते हैं और दृष्टि को बेहतर बनाते हैं। आप इसे सलाद में डाल सकते हैं या हल्का उबालकर खा सकते हैं।

संतरा

संतरा विटामिन सी और ए का भरपूर स्रोत है, जो आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। रोजाना एक संतरा खाने या इसका जूस पीने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है और यह फ्री रैडिकल्स से बचाव करता है, जो आंखों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं।

शकरकंद

शकरकंद, जिसे मीठा आलू भी कहा जाता है, विटामिन ए का अच्छा स्रोत है। यह आंखों की रोशनी को तेज करने और रतौंधी जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करता है। आप इसे उबालकर, भूनकर या रोस्ट करके खा सकते हैं।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी, जिसे नीलबदरी भी कहा जाता है, आंखों की सेहत के लिए अत्यंत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, और एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार होते हैं। इसका नियमित सेवन आंखों की दृष्टि को तेज कर सकता है और चश्मे से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

इन सभी चीजों का नियमित सेवन आपकी आंखों की रोशनी को बेहतर बना सकता है और आपको चश्मे से छुटकारा दिला सकता है। साथ ही, यह आपकी त्वचा पर भी निखार लाएगा। अच्छी डाइट के साथ–साथ, रोजाना आंखों की एक्सरसाइज और उचित आराम देना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है।

घर में बिल्ली पालने से होता है क्या? जानें इससे होने वाले नुकसान और फायदे

बिल्ली सिर्फ एक प्यारा पालतू जानवर नहीं है, बल्कि यह आपके घर में खुशियों और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बन सकती है। कई लोग इसे इसलिए पालना पसंद करते हैं क्योंकि यह न केवल क्यूट होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी लाभकारी प्रभाव डालती है। लेकिन घर में बिल्ली पालने से पहले इसके फायदे और नुकसान दोनों को जानना जरूरी है। तो यहां जानें घर में बिल्ली पालने के फायदे और नुकसान।

तनाव और चिंता कम करता है

बिल्ली के साथ समय बिताने से स्ट्रेस हार्मोन कम होता है और खुशी का हार्मोन बढ़ता है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और मूड को बेहतर बनाता है।

अकेलेपन में साथी

जो लोग अकेले रहते हैं या बुजुर्ग हैं, उनके लिए बिल्ली एक प्यारा साथी बन सकती है। यह भावनात्मक सहारा देती है और अकेलेपन को कम करती है।

स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर

कई रिसर्च बताते हैं कि घर में बिल्ली पालने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और हृदय रोग का खतरा कम होता है। इसके अलावा बच्चों में इम्यूनिटी मजबूत होती है।

जिम्मेदारी सिखाती है

बिल्ली की देखभाल करना अनुशासन और जिम्मेदारी सिखाता है। इसे खाना देना, सफाई करना और प्यार देना आपके जीवन में नियमितता और अनुशासन लाता है।

घर में बिल्ली पालने के नुकसान

एलर्जी का खतरा

कुछ लोगों को बिल्ली के बाल या फर से एलर्जी, छींक या सांस की समस्या हो सकती है। अगर आपको एलर्जी की प्रवृत्ति है, तो बिल्ली पालने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखना जरूरी

बिल्ली की नियमित सफाई और कैट लिटर बदलना आवश्यक है। यदि यह ध्यान न दिया जाए तो घर में गंदगी और बैक्टीरिया फैल सकते हैं।

समय और ध्यान की आवश्यकता

बिल्ली भी इंसानों की तरह ध्यान और प्यार चाहती है। यदि आप व्यस्त रहते हैं और समय नहीं दे पाते, तो यह तनाव और बोरियत का कारण बन सकता है।

मेडिकल खर्च

बिल्ली के टीकाकरण, डेंटल और हेल्थ चेकअप के लिए नियमित खर्च करना पड़ता है। सही देखभाल न करने पर यह बीमारियों का कारण बन सकती है। घर में बिल्ली पालना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए लाभदायक है, लेकिन इसके लिए सही देखभाल और जिम्मेदारी जरूरी है।

संक्षिप्त

लॉजिस्टिक्स कंपनी ने भारत छोड़ा, अचानक कर दिया अपना कारोबार, पाई–पाई का हिसाब देना होगा

लॉजिस्टिक्स कंपनी विनट्रैक इंक . के मसले ने तूल पकड़ लिया है। कंपनी ने चेन्ध्नई कस्टम्स पर उत्पीड़न और व्यवस्थित उगाही का आरोप लगाया है। कथित रिश्वतखोरी को लेकर चेन्नई कस्टम्स के खिलाफ विंट्रैक इंक की सार्वजनिक लड़ाई ने अब भारत के व्यापारिक ढांचे में भ्रष्टाचार के बारे में एक बड़ी बहस छेड़ दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा विंट्रैक के आरोपों की आधिकारिक जाँच की पुष्टि के बाद, देश भर के आयातकों, सीमा शुल्क दलालों और व्यवसाय मालिकों ने उत्पीड़न, रिश्वत की माँग और बंदरगाहों पर देरी के अपने अनुभव साझा करना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान जारी कर पुष्टि की है कि इस मामले की जाँच की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने मेसर्स विंट्रैक इंक (चेन्नई) द्वारा उठाए गए मामले का संज्ञान लिया है। राजस्व विभाग (डीओआर) को इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्य–आधारित जाँच करने के लिए कहा गया है। डीओआर के एक वरिष्ठ अधिकारी को विस्तृत तथ्यात्मक जाँच करने, संबंधित पक्षों और अधिकारियों की सुनवाई करने और सभी प्रासंगिक दस्तावेज़ी साक्ष्यों की गहन जाँच करने के लिए नियुक्त किया गया है। इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जा रहा है और सरकार कानून के अनुसार उचित और शीघ्र कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योग जगत ने जांच को विलंबित बताया तथा कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायतें वर्षों से आम बात रही हैं। विंट्रैक मामले ने अन्य लोगों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया है। चेन्नई के व्यवसायी उदय संबथ ने बताया कि उनके एक दोस्त ने ष्सामान छुड़ाने के लिए चेन्नई कस्टम्स को 47,000 रुपये की रिश्वत दी थी। इसके बाद उन्होंने बैंगलोर जाना शुरू कर दिया और उनके खिलाफ लड़ने को तैयार नहीं थे क्योंकि इससे उनके कारोबार पर असर पड़ सकता था। एक अन्य आयातक, यूसुफ उंझावाला ने लिखा, ष्मेरे अपने अनुभव और अन्य आयातकों से मिली जानकारी के अनुसार, माँगें शिपमेंट मूल्य का 10–50: तक हो सकती हैं। या फिर वे शिपमेंट की जाँच करने की धमकी देते हैं। इसमें समय लगता है, विलंब शुल्क लगता है और व्यापार में नुकसान होता है। इसलिए हमारे पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जो कोई भी कहता है कि ऐसा नहीं होता, वह झूठ बोल रहा है! लेकिन सरकार से कोई नहीं जीत सकता। छोटे व्यवसाय तो बिल्कुल नहीं। राजकोट में, व्यवसायी विनीत वेकारिया ने दावा किया कि राजकोट का कस्टम विभाग डव्ट योजना के लिए 5–7 लाख रुपये मांगता है, वरना अंतहीन देरी होती है। आपका पूरा विभाग पूरी तरह से भ्रष्ट है।

स्मार्टफोन की किस्त नहीं चुकाई तो हो सकता है लॉक! RBI के नए प्रस्ताव पर बढ़ा विवाद

मोबाइल फोन किस्तों पर खरीदने वाले ग्राहकों के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बन गया है कि अगर म्डप् समय पर न चुकाई जाए तो क्या बैंक फोन को दूर से लॉक कर सकते हैं। इस मुद्दे पर रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्थिति स्पष्ट की है। मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में त्ठप् के गवर्नर ने कहा कि इस तरह का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है और सभी पक्षों की राय ली जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी व्यवस्था में ग्राहक के अधिकार और डेटा गोपनीयता सबसे ऊपर रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, RBI अपने फेयर प्रैक्टिसेज़ कोड में संशोधन पर विचार कर रहा है। प्रस्तावित नियमों के तहत यदि कोई ग्राहक म्डप् का भुगतान नहीं करता है तो बैंक और गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान (छठथ्ब्) मोबाइल फोन को लॉक करने का विकल्प प्राप्त कर सकते हैं। यह कदम केवल तभी लागू होगा जब ग्राहक लोन लेने के समय इस शर्त के लिए स्पष्ट सहमति देगा। साथ ही, फोन लॉक होने पर बैंक को डिवाइस का व्यक्तिगत डेटा देखने या उसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं होगी। इस विचार के पीछे यह कारण है कि हाल के वर्षों में छोटे उपभोक्ता ऋणों पर डिफॉल्ट के मामले बढ़े हैं, जिनमें सबसे अधिक शिकायत महंगे स्मार्टफोन्स से जुड़ी है। बैंकों का मानना है कि जैसे गाड़ियों और मकानों के लिए म्डप् न चुकाने पर वसूली की व्यवस्था है, वैसे ही स्मार्टफोन के लिए भी ऐसा विकल्प होना चाहिए, जिससे वसूली प्रक्रिया आसान हो सके। हालांकि, इस प्रस्ताव पर आलोचना भी हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोबाइल फोन आज लोगों की ज़िंदगी का अभिन्न हिस्सा हैं। काम, शिक्षा, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएँ और आपात स्थितियों में यह सबसे ज़रूरी साधन बन गया है। ऐसे में किस्त न चुकाने पर फोन लॉक कर देना गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकता है। डेटा सुरक्षा और निजता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का मानना है कि भले ही बैंक सिर्फ लॉकिंग का विकल्प अपनाएँ, लेकिन किसी डिवाइस पर दूर से नियंत्रण की अनुमति संवैधानिक अधिकारों और उपभोक्ता स्वतंत्रता के खिलाफ मानी जा सकती है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि कितनी किस्तें चूकने पर फोन लॉक किया जा सकेगा और क्या ग्राहकों को चेतावनी या अतिरिक्त समय मिलेगा। त्ठप् ने कहा है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी पक्षों की राय पर विचार किया जाएगा।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, देश बना वैश्विक स्थिरता का भरोसा, बोले– रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि भारत की मैक्रो–इकोनॉमिक बुनियादी स्थितियां अब भी बहुत मजबूत हैं और देश एक अस्थिर दुनिया में स्थिरता का वाहक बन गया है। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए मल्होत्रा ने इस मजबूती का श्रेय कम मुद्रास्फीति, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, संकीर्ण चालू खाता घाटा और बैंकों व कॉरपोरेट्स के मजबूत बैलेंस शीट को दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार के नीति निर्माताओं, नियामकों और नियंत्रित संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। हाल की चुनौतियों के बावजूद, हमारी अर्थव्यवस्था लचीले विकास के संतुलन में स्थिर नजर आ रही है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

युवराज की वो बात, जिसने बदल दी अभिषेक की जिंदगी; बताया कैसे साधारण खिलाड़ी से बना मैच विनर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रह चुके युवराज सिंह ने जब युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने साये में लिया, तब से ही उनकी सोच साफ थी, उन्हें सिर्फ घरेलू क्रिकेट या आईपीएल के लिए नहीं, बल्कि टीम इंडिया का मैच–विनर बनाने का। युवराज, जिन्होंने भारत को 2007 का टी20 विश्व कप और 2011 का वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी, खुद जानते थे कि बड़े मंच पर जीत दिलाने के लिए कैसी तैयारी जरूरी होती है।

ब्रेकफास्ट विद चौंपियंस पर अभिषेक का खुलासा

अभिषेक शर्मा ने हाल ही में 'ब्रेकफास्ट विद चौंपियंस' शो पर बताया कि लॉकडाउन के दौरान युवराज सिंह के साथ ट्रेनिंग करना उनके करियर का टर्निंग प्वॉइंट रहा। उन्होंने कहा, श्मैं युवी पाजी का बहुत आभारी हूं। लॉकडाउन में हम उनके घर पर कैंप करते थे। मैं, शुभमन, प्रभसिमरन, अनमोलप्रीत। मुझे इसकी बहुत जरूरत थी। हम फ्लाइट में थे तो मैंने उनसे कहा कि क्या कुछ दिनों का कैंप किया जा सकता है। उन्होंने तुरंत हां कर दी। उस समय मैं संघर्ष कर रहा था।श

जब आईपीएल में नहीं मिल रही थी जगह

अभिषेक ने बताया कि उस दौर में उनका प्रदर्शन निरंतर नहीं था और वह अपनी आईपीएल टीम के प्लेइंग इलेवन में भी जगह नहीं बना पा रहे थे। वहीं, उनके साथी खिलाड़ी शुभमन गिल जैसे क्रिकेटर पहले ही भारत के लिए डेब्यू कर चुके थे। अभिषेक बोले, श्मैं आईपीएल में लगातार अच्छा नहीं कर पा रहा था और टीम में भी नहीं खेल रहा था। शुभमन इंडिया के लिए खेल रहा था। मुझे लगने लगा कि मैं पीछे छूट गया हूं, क्योंकि मेरी उम्र के खिलाड़ी अच्छा कर रहे थे। एक दिन मैं और शुभमन, पाजी (युवराज) के साथ लंच कर रहे थे तभी पाजी ने मुझे सीधे कहा कि वह मुझे राज्य या आईपीएल के लिए नहीं, बल्कि इंडिया के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा– मैं तुम्हें इंडिया के लिए मैच जिताने वाला खिलाड़ी बना रहा हूं। इसे लिख लो, यह अगले दो–तीन साल में होगा। अभिषेक ने बताया कि उस कैंप

के बाद उन्हें समझ आया कि उनका असली लक्ष्य कुछ और है। उन्होंने कहा, श्जिन्हें मैं अपना आदर्श मानता हूं, अगर उन्हें मुझपर इतना विश्वास है...मुझे लगा कि मेरा लक्ष्य ही कुछ और है। जिसके लिए मैं तैयार हो रहा हूं, जो युवराज करवा रहे हैं मुझे, वो तो कुछ और है और मैं करके रहूंगा।

युवराज का वीडियो एनालिसिस और बैटिंग पर काम

अभिषेक ने बताया कि युवराज सिंह उनके शॉट्स और तकनीक को सुधारने के लिए वीडियो देखकर नोट्स बनाते थे। वह छोटी–छोटी गलतियों को पकड़कर उन्हें समझाते और पावर–हिटिंग पर खास काम कराते। उन्होंने कहा, श्वो घर पर बैठकर हमारी बैटिंग के वीडियो देखते थे, उनसे नोट्स बनाते थे और फिर अलग–अलग वीडियो से स्क्रीनशॉट लेकर पहले और बाद की तुलना करते थे। किसी को नहीं पता कि युवी पाजी इतनी बारीकियों में जाते हैं। और जब हम पांच घंटे से ज्यादा अभ्यास करते थे, तो वो पूरे समय हमारे साथ मौजूद रहते थे।

एशिया कप 2025 में चमके अभिषेक

आज हालात बिल्कुल बदल चुके हैं। अभिषेक शर्मा हाल ही में समाप्त हुए एशिया कप 2025 में भारत के लिए हीरो बनकर उभरे। उन्होंने टूर्नामेंट में 314 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। अभिषेक का कहना है कि युवराज सिंह के मार्गदर्शन ने उन्हें यह मुकाम दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। उनकी यह कहानी बताती है कि किस तरह सही मेंटर और सही सोच एक खिलाड़ी का करियर बदल सकते हैं। युवराज सिंह जैसे दिग्गज ने जिस विजन के साथ अभिषेक को तैयार किया, उसका नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है।

सना मीर ने पार की बेशर्मी की हद! विवादित बयान के बाद अब सफाई देती नजर आई पाकिस्तान की पूर्व कप्तान

दुबई। महिला वनडे विश्व कप 2025 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान एक बड़ी विवादित घटना सामने आई। पुरुषों के एशिया कप में भारतीय टीम से मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गुरुवार को महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले में पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर ने ऐसा बयान दिया, जिसके बाद नए विवाद का जन्म हो गया। मौजूदा समय में टूर्नामेंट में कमेंट्री कर रहीं सना मीर ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को आजाद कश्मीर कहकर पुकारा, जिससे सोशल मीडिया पर जबरदस्त बवाल खड़ा हो गया। यह मामला इतना बढ़ गया कि आईसीसी (प्ब्ब्) तक के रडार पर है। हालांकि, अभी तक आईसीसी ने इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

कमेंट्री के दौरान विवादित टिप्पणी

पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश के मैच में सना मीर ने पाकिस्तान की बल्लेबाज नतालिया परवेज का जिक्र करते हुए कहा कि, ष्फातिमा सना बहुत युवा टीम की कप्तानी कर रही हैं। हां, उन्होंने क्वालिफायर जीता है, लेकिन इन खिलाड़ियों में से कई बिल्कुल नई हैं। नतालिया, जो कश्मीर से आती हैं...आजाद कश्मीर से.. .वह लाहौर में ज्यादा क्रिकेट खेलती हैं। उन्हें अपनी ज्यादातर क्रिकेट खेलने के लिए लाहौर आना पड़ता है।ष यानी उन्होंने पहले नतालिया को कश्मीर से आने वाली खिलाड़ी बताया, लेकिन तुरंत ही खुद को सुधारते हुए विवादित और आपत्तिजनक बयान दे डाला और आजाद कश्मीर कह दिया। यही शब्द बवाल की असली वजह बना।

मामला क्यों संवेदनशील बना?

आजाद कश्मीर शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से किया जाता रहा है। भारत पूरे जम्मू–कश्मीर, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है, को अपना अभिन्न और संप्रभु हिस्सा मानता है। भारत सरकार के मुताबिक, पीओके पर पाकिस्तान का कब्जा अवैध है और इसे तुरंत खाली किया जाना चाहिए। भारत ने लगातार इस क्षेत्र को अपने भूभाग के रूप में स्वीकार किया है और संसद ने इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया है। भारत पाकिस्तान से पीओके से अपनी सैन्य और प्रशासनिक मौजूदगी हटाने की मांग करता है और इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक बातचीत को प्राथमिकता देता है।

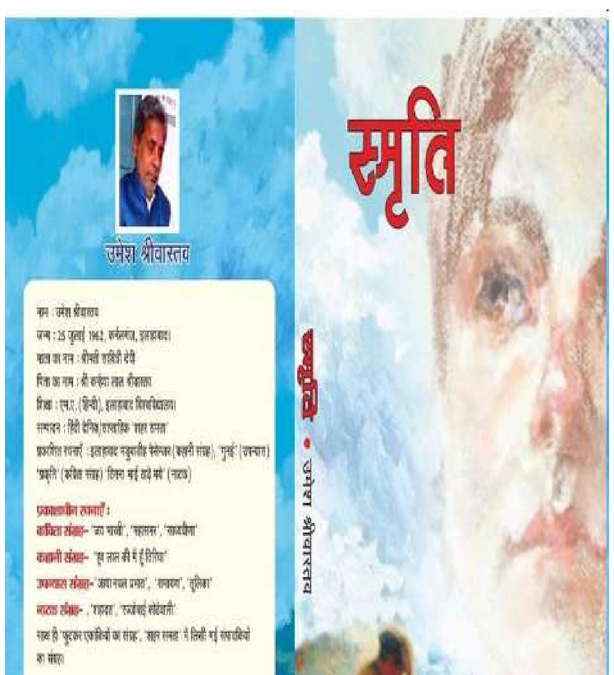

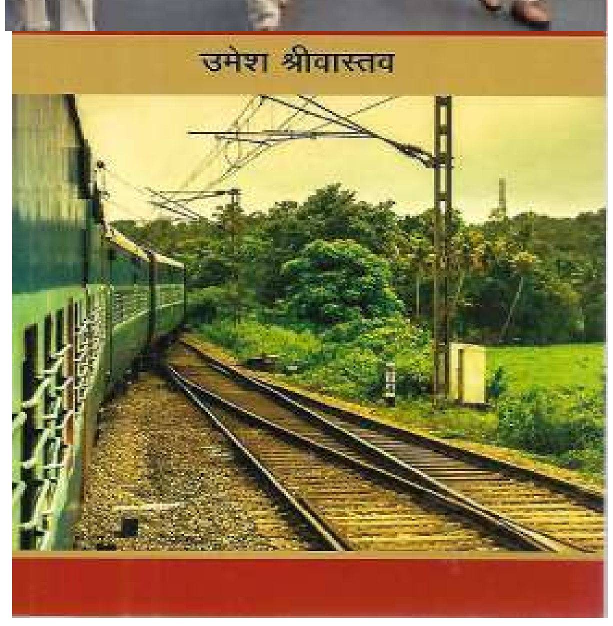

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

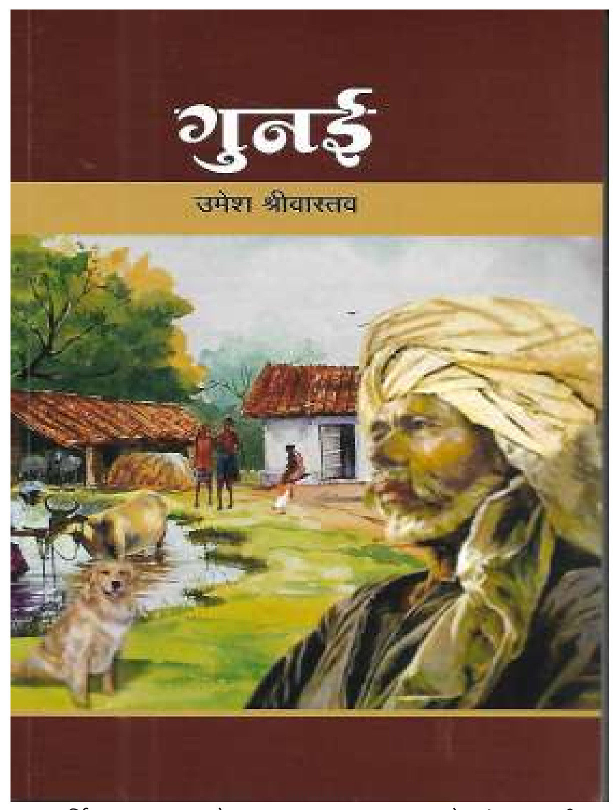

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

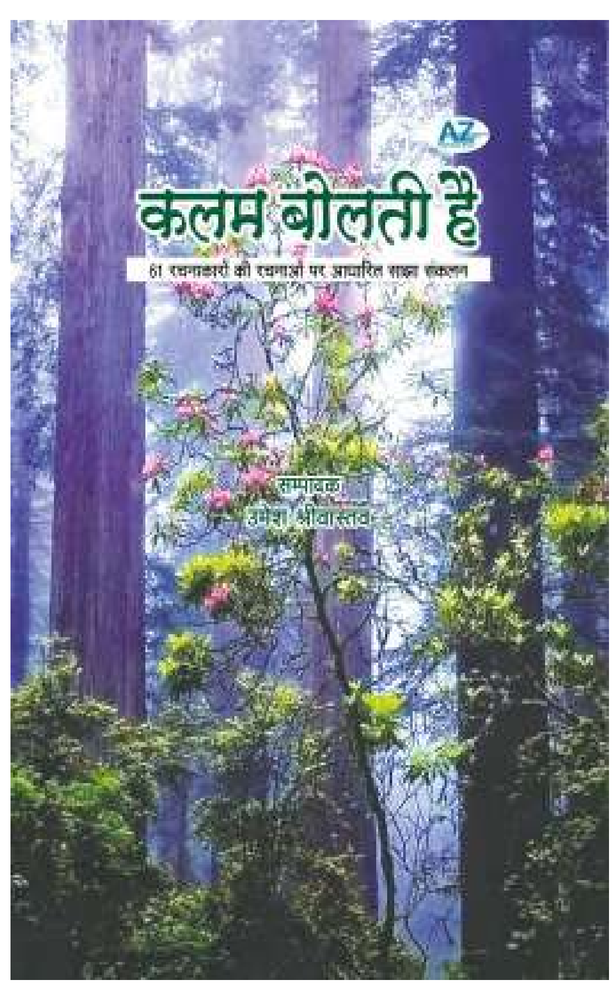

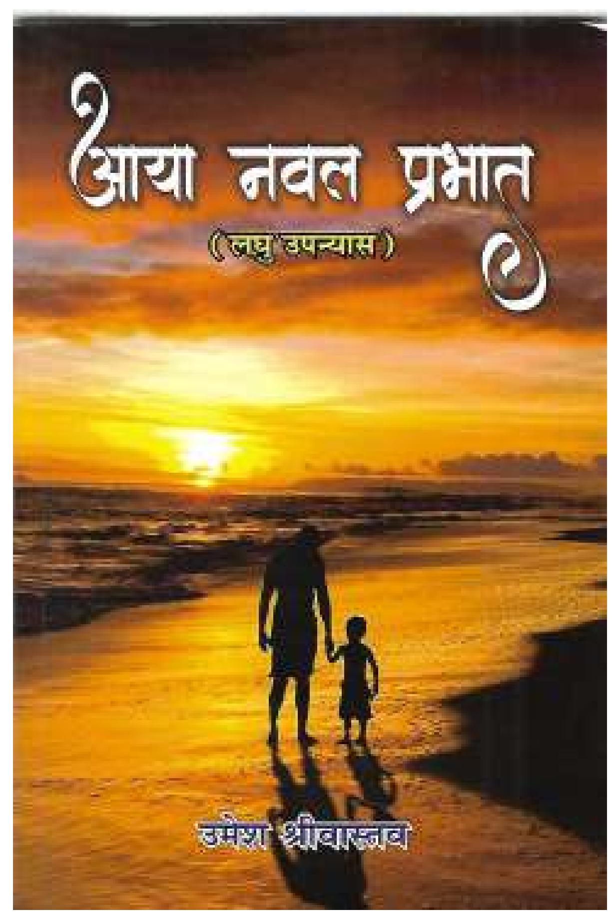

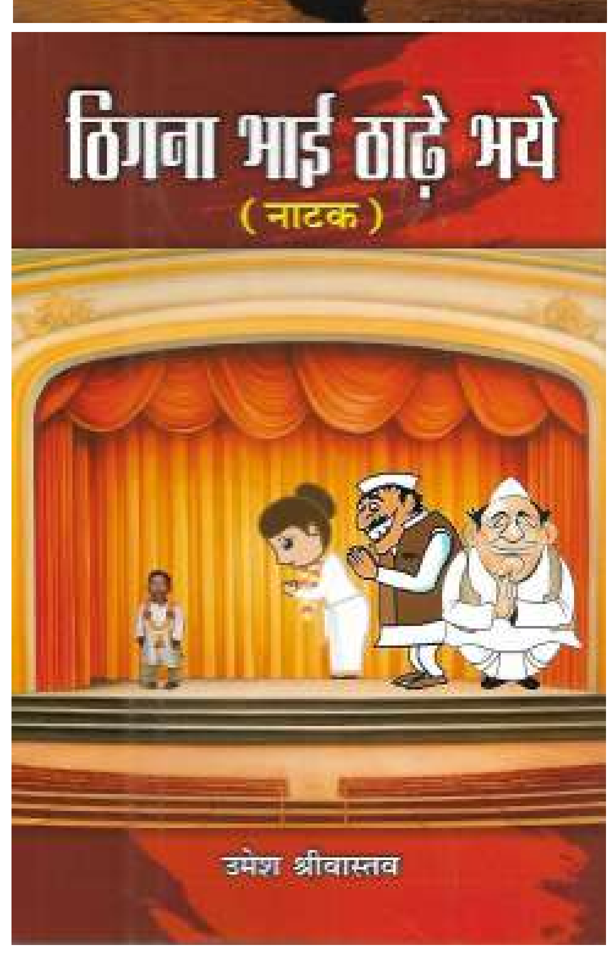

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

म्यूनिख हवाई अड्डे पर कई सारे ड्रोन देखे जाने से दहशत, रोकी गई 17 फ्लाइट्स

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि म्यूनिख हवाई अड्डे को गुरुवार रात को इलाके में ड्रोन देखे जाने की लगातार घटनाओं के बाद अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। हवाई अड्डे के संचालकों ने बताया कि जर्मनी के हवाई यातायात नियंत्रण ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद हवाई अड्डे पर उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया और फिर उन्हें पूरी तरह से रोक दिया।

अधिक जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि 17 उड़ानें उड़ान नहीं भर सकीं, जिससे लगभग 3,000 यात्री प्रभावित हुए, जबकि 15 आने वाली उड़ानों को जर्मनी के तीन अन्य हवाई अड्डों तथा ऑस्ट्रिया के वियना के एक हवाई अड्डे पर भेज दिया गया। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि जब कोई ड्रोन दिखाई देता है, तो हवाई यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। यह घटना पिछले हफ़्ते डेनमार्क और नॉर्वे के हवाई अड्डों पर ड्रोन देखे जाने के बाद हुई ऐसी ही घटनाओं के बाद हुई है, जहाँ अस्थायी रूप से हवाई अड्डे बंद कर दिए गए थे। यह ध्यान देने योग्य है कि यह घटना यूरोप में हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे वाले स्थलों पर रहस्यमयी ड्रोन देखे जाने की घटनाओं की श्रृंखला में एक नई कड़ी है। हालाँकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन फ्लाईओवरों के पीछे कौन है, लेकिन यूरोपीय अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि रूस इनके पीछे हो सकता है। लेकिन रूसी अधिकारियों ने डेनमार्क में हाल ही में हुई ड्रोन घटनाओं में शामिल होने के दावों को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि म्यूनिख हवाई अड्डा इस सप्ताह की शुरुआत में ही अलर्ट पर था, जब शहर के उत्तरी हिस्से में एक आवासीय इमारत में बम की धमकी और विस्फोटक मिलने के बाद अक्टूबरफेस्ट उत्सव को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। दक्षिणी जर्मनी में स्थित, म्यूनिख हवाई अड्डा लुफ्थांसा का केंद्र है और इस वर्ष की पहली छमाही में इसने लगभग 2 करोड़ यात्रियों को संभाला।

अमेरिका : न्यूयश्वर्क में बहुमंजिला इमारत का एक हिस्सा ढहा

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बहुमंजिला इमारत का एक हिस्सा बुधवार सुबह ढह गया, जिससे इमारत का एक कोना मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। शहर के अग्निशमन विभाग ने कहा कि उसके पास इस घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। विभाग ने कहा कि

वह ब्रोंक्स की 20 मंजिला इमारत में गैस विस्फोट की सूचना पर कार्रवाई कर रहा था, जिससे एक चिमनी शाफ्ट ढह गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में एक ऊंची इमारत दिखाई दे रही है जिसका एक कोना भूतल से छत तक ढह गया है। आस–पास के लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो में सुबह लगभग 8:10 बजेइस इमारत के ढहने के कुछ ही पल बाद ब्लॉक के ऊपर धूल का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। यह इमारत एक सार्वजनिक आवासीय क्षेत्र है।

फ्रांस के नए पीएम का संसद में विशेष शक्तियों के इस्तेमाल से इनकार, कहा– समझौते से आगे बढ़ेंगे

पेरिस। फ्रांस के नए प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने शुक्रवार को एक अहम घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे बजट पास कराने के लिए फ्रांस के संविधान की विशेष धारा 49.3का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इसकी जगह वे संसद में विपक्ष और सहयोगी दलों से बातचीत और समझौते के जरिए रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे। फ्रांस के संविधान की यह धारा सरकार को यह ताकत देती है कि वह संसद में वोटिंग कराए बिना ही सीधे कोई बिल पास कर सकती है। लेकिन इसका राजनीतिक खतरा यह है कि विपक्ष तुरंत सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। बता दें कि सेबेस्टियन लेकोर्नू से पहले के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू ने इसी धारा का उपयोग कर इस साल का बजट पास कराया था। हालांकि, इससे राजनीतिक संकट गहरा गया और उनकी सरकार गिर गई। 39 वर्षीय सेंटरिस्ट नेता लेकोर्नू को पिछले महीने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। उन्होंने शुक्रवार को कहा, श्हर सांसद के पास शक्ति और जिम्मेदारी होनी चाहिए।श श्सरकार को अब अपनी कार्यशैली बदलनी होगी और बहस के दौरान समझौते बनाने होंगे।श उन्होंने यह भी साफ किया कि 2026 का बजट इस साल के अंत तक पास करना जरूरी है। इसके लिए वे खास तौर पर मध्यमार्गी वामपंथी दलों और दक्षिणपंथी श्द रिपब्लिकन्स पार्टी से सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

मैनचेस्टर में आतंकी हमला, भारत ने की कड़ी निंदा, कहा– टेररिज्म के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हो पूरी दुनिया

भारत ने यूनाइटेड किंगडम के मैनचेस्टर स्थित हीटन पार्क सिनेगॉग में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे वैश्विक आतंकवाद के खतरे की कड़ी याद दिलाई। यह बयान ऐसे समय में आया है जब योम किप्पुर की प्रार्थना सभा के दौरान एक हमलावर ने सिनेगॉग के बाहर अपनी कार से लोगों को टक्कर मार दी और बाद में उन पर चाकू से हमला करना शुरू कर दिया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस दुख की घड़ी में नई दिल्ली ब्रिटेन के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा हम आज योम किप्पुर प्रार्थना सभा के दौरान मैनचेस्टर के हीटन पार्क सिनेगॉग पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह विशेष रूप से दुखद है कि यह जघन्य कृत्य अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के दिन किया गया। यह हमला आतंकवाद की दुष्ट ताकतों से हमारे सामने आने वाली चुनौती की एक और भयावह याद दिलाता है, जिसका मुकाबला वैश्विक समुदाय को एकजुट और ठोस कार्रवाई के माध्यम से करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत की संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ पीड़ितों, उनके परिवारों और मैनचेस्टर के लोगों के साथ हैं। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बाद में हमलावर की पहचान सीरियाई मूल के 35 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक जिहाद अल–शमी के रूप में की। इस संदिग्ध को पुलिस ने हमले के बाद गोली मार दी। पुलिस को शुरू में आशंका थी कि उसके पास विस्फोटक हैं क्योंकि उसने जैकेट पहन रखी थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि उसके पास बम नहीं था। पुलिस ने पुष्टि की है कि आतंकवाद से जुड़े अपराधों के संदेह में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 30 साल के दो पुरुष और 60 साल की एक महिला शामिल है। लंदन स्थित मेट्रोपॉलिटन पुलिस बल, जो देश में आतंकवाद–रोधी पुलिसिंग अभियानों का नेतृत्व करता है, ने इस हिंसा को आतंकवादी हमला घोषित किया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हमले की कड़ी निंदा की और हमलावर को घृणित बताया और ज़ोर देकर कहा कि यहूदी समुदाय को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। स्टारमर ने कहा कि मैं आपसे वादा करता हूँ कि आने वाले दिनों में, आप एक अलग ब्रिटेन देखेंगे, करुणा, शालीनता और प्रेम का ब्रिटेन। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपसे वादा करता हूँ कि यह ब्रिटेन आपके समुदाय को गले लगाने के लिए एकजुट होगा और आपको दिखाएगा कि ब्रिटेन एक ऐसी जगह है जहाँ आप और आपका परिवार सुरक्षित हैं और जहाँ आपका अपनापन है।

भारत किसी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं, टैरिफ पर दोस्त पुतिन ने कैसे कह दी मोदी के मन की बात

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने व्यापारिक साझेदार भारत पर मास्को के साथ ऊर्जा व्यापार में कटौती करने के लिए दबाव डाल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका वाशिंगटन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत समेत 140 देशों के सुरक्षा और भू–राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतर्राष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि अगर रूस के व्यापारिक साझेदारों पर ज़्यादा टैरिफ लगाए गए, तो इससे वैश्विक ऊर्जा की कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊँची रखने पर मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ जाएगी। रूसी राष्ट्रपति ने दिसंबर की शुरुआत में होने वाली अपनी आगामी भारत यात्रा के प्रति भी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने सरकार को निर्देश दिया कि वह नई दिल्ली द्वारा कच्चे तेल के भारी आयात के कारण भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के उपाय करे। रूसी नेता ने कहा कि भारत के साथ हमारी कभी कोई समस्या या अंतर्राज्यीय तनाव नहीं रहा। कभी नहीं। पुतिन ने कहा कि नई दिल्ली के पास बाहरी दबाव के आगे झुकने का कोई कारण नहीं है। भारत कभी भी खुद को अपमानित नहीं होने देगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कोई कदम कभी नहीं उठाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारत रूसी ऊर्जा खरीदना बंद कर देता है, तो उसे 9 अरब से 10 अरब डॉलर के बीच का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने कहा मेरा विश्वास कीजिए, भारत जैसे देश के लोग राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए गए फैसलों पर कड़ी नज़र रखेंगे और किसी के सामने किसी भी तरह का अपमान नहीं होने देंगे। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताया तथा कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं; वह स्वयं कभी इस तरह का कोई कदम नहीं उठाएंगे। पुतिन ने इसे आर्थिक दृष्टिकोण से निरर्थक बताया। पुतिन ने कहा कि अमेरिका के दंडात्मक शुल्कों के कारण भारत को होने वाले नुकसान की भरपाई रूस से कच्चे तेल के आयात से हो जाएगी, साथ ही उसे एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से और अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयाँ खरीद सकता है। पुतिन ने कहा भारत से और अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।

चीन ने अमेरिका को बुरी तरह रुला दिया, गिड़गिड़ाने लगे ट्रंप, 12 अरब डॉलर स्वाहा

चीन अमेरिका को नाकों चने चबवा रहा है और ट्रंप की हालत ऐसी हो चली है मानो कह रहे हो कि हुजूर जिनपिंग ऐसा भी सितम ना कीजिए कि हमें नुकसान हो जाएगा। लेकिन चीन भी चालाक है और अमेरिका जैसे देश के होश ठिकाने लगाना जानता है। यही वजह है कि ये दो बड़ी महाशक्तियां आपस में टकरा रही हैं और पूरी दुनिया देख रही है कि इनके बीच क्या हो रहा है। दरअसल, अमेरिका से सोयाबीन की खरीद को चीन ने जीरो कर दिया है। अमेरिका तमाम देशों पर टेरिफ ठोके जा रहा है। ट्रंप अपनी इकॉनमी को बूस्ट करना बता रहे हैं इसे। अब जब अमेरिकी किसानों का मामला आया है तो ट्रंप के होश फाख्ता हो

गए हैं। अमेरिका के किसान मक्के और सोयाबीन की खरीद की कमी से गुजर रहे हैं। ट्रंप को यह एहसास है। यही कारण है कि वह चीन के पीछे पड़े नजर आ रहे हैं जो इसका सबसे बड़ा खरीदार है। हाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सोयाबीन के मुद्दे को लेकर चार हफ्तों में चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग से मुलाकात करेंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह चीन के राष्ट्रपति शीजिंगपिंग से अमेरिकी सोयाबीन खरीदने से बीजिंग के इंकार के मुद्दे पर बात करेंगे। इस महीने के अंत में आगामी एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में शीजिंगपिंग से मुलाकात करेंगे और सोयाबीन को इस बैठक में उठाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति पर एग्रीकल्चर सेक्टर पर टेरिफ युद्ध के चलते पड़ रहे बुरे असर को लेकर रिपब्लिकन सांसदों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ने अमेरिका के सोयाबीन किसानों को हो रहे नुकसान को लेकर कहा है कि चीन सिर्फ टेरिफ पर बातचीत के लिए सोयाबीन नहीं खरीद रहा है। पशु आहार और जैव ईंधन में इस्तेमाल होने वाले तिलहन के नवंबर डिलीवरी वाले अनुबंधों में . 8: तक की बढ़ोतरी हुई, जिससे दो दिनों से चली आ रही गिरावट का सिलसिला थम गया। अमेरिकी किसान परिवारों और उनके समर्थक रिपब्लिकन पदाधिकारियों के लिए दांव शायद ही कभी इतना ऊँचा रहा हो। लगभग एक दशक में दो साल की सबसे खराब गिरावट के बाद, बेंचमार्क अमेरिकी सोयाबीन की कीमतें 2024 के अंत से स्थिर हैं, क्योंकि पर्याप्त वैश्विक उत्पादन के कारण माँग में अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, बीज से लेकर उर्वरक तक, हर चीज़ की बढ़ती लागत कृषि क्षेत्र पर भारी पड़ रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

नेपाल के बाद मोरक्को में जेन–जी का प्रदर्शन, पुलिस से भिड़ंत में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत

रबात। मोरक्को में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी लगातार जारी है, बीते रात भारी संख्या में प्रदर्शनकारी युवा सड़कों पर उतरे और सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी झड़प हुई, जिसमें तीन प्रदर्शनकारी मारे गए। मोरक्को में युवाओं के आंदोलन के उग्र होने और तीन प्रदर्शनकारियों के मारे जाने के एक दिन बाद गुरुवार को सरकार ने कहा कि वह उनकी शिकायतों का समाधान करेगी।

संवाद और बहस के लिए तैयार हूं– पीएम अजीज

प्रधानमंत्री अजीज अखन्नौच ने कहा कि वे इन मौतों पर शोक व्यक्त करते हैं। उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के लिए प्रशंसा की तथा संकेत दिया कि सरकार बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के प्रति सकारात्मक रुख अपनाने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने मंत्रिपरिषद को संबोधित करते हुए कहा कि वह संस्थाओं और सार्वजनिक स्थानों के भीतर संवाद और बहस के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने चर्चा का विवरण नहीं दिया। पीएम अखन्नौच ने कहा, हमारे देश के सामने आने वाली कई समस्याओं से निपटने के लिए बातचीत पर आधारित दृष्टिकोण ही एकमात्र रास्ता है।

दंगाइयों ने सार्वजनिक भवनों पर किया हमला

अधिकारियों ने गुरुवार को इस सप्ताह के दंगों में मरने वालों की संख्या तीन बताई और कहा कि सशस्त्र दंगाइयों ने सार्वजनिक भवनों पर हमला किया और कानून व्यवस्था को बाधित किया। वहीं, युवाओं के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के समाप्त होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि तटीय शहर अगादिर के बाहरी इलाके में स्थित एक छोटे से कस्बे लेकलिया में बुधवार को सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने कहा कि पुलिस के हथियार छीनने की कोशिश के दौरान तीनों को गोली लगी। हालांकि कोई भी गवाह इस खबर की पुष्टि नहीं कर सका।

दंगाइयों के हमले में कई अधिकारी घायल

मंत्रालय ने बताया कि 354 लोग जिनमें ज्यादातर कानून प्रवर्तन अधिकारी हैं घायल हुए हैं। उसने बताया कि देश के 23 प्रांतों में सैकड़ों कारों के साथ–साथ बैंकों, दुकानों और सार्वजनिक इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, पूरे देश में लगभग 70 प्रतिशत प्रदर्शनकारी नाबालिग हैं।

मानवाधिकार परिषद में बेइज्जत हुआ पाकिस्तान, भारत ने झूठे आरोपों पर खोली पोल; कश्मीर पर भी सुनाई खरी–खरी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र में भारत ने पाकिस्तान पर करारा प्रहार किया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान, जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड दुनिया में सबसे खराब है, उसे दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपने यहां राज्य प्रायोजित हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देना चाहिए। जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर के एस मोहम्मद हुसैन ने कहा कि यह विडंबना है कि पाकिस्तान जैसा देश, जो खुद मानवाधिकार उल्लंघनों का गढ़ है, वह दूसरों को सीख देने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा इस मंच का दुरुपयोग कर भारत पर लगाए गए आरोप केवल उसकी पाखंडी राजनीति को उजागर करते हैं। भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा कि वह बार–बार झूठे आरोप लगाकर अपने देश के भीतर चल रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान हटाने की कोशिश करता है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। ऐसे में, उसका रवैया केवल दोहरेपन और ढोंग को दर्शाता है। हुसैन ने सीधे नाम लिए बिना पाकिस्तान को जवाब दिया। दरअसल, भारत से पहले पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश की थी। इस पर भारत ने साफ कहा कि जम्मू–कश्मीर भारत का था, है और हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा ही रहेगा। भारत ने दोहराया कि पाकिस्तान इस तरह के दुष्प्रचार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह नहीं कर सकता। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपने नागरिकों को मानवाधिकारों का पूरा लाभ दिलाने के लिए सतत काम कर रहा है। हुसैन ने कहा कि भारत सतत विकास और समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीरता से प्रयासरत है। भारत के मुताबिक, मानवाधिकारों की रक्षा केवल शब्दों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन होना जरूरी है। अपने संबोधन में भारत ने 1993 में मानवाधिकार सम्मेलन के बाद अपनाई गई विएना घोषणा और कार्ययोजना (वीडीपीए) का जिक्र किया। भारत ने कहा कि यह दस्तावेज वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन की दिशा में अहम भूमिका निभाता है। भारत ने सभी देशों से अपील की कि वे इस घोषणा के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं।

पुतिन का डबल गेम, भारत ने बहुत रोका, फिर भी नहीं माना रूस

रूस के यूनाइटेड इंजन कॉरपोरेशन (यूईसी)–क्लिमोव द्वारा निर्मित यह उन्नत पावरप्लांट, पाकिस्तान वायु सेना के सबसे उन्नत जेएफ–17 थंडर ब्लॉक ››› लड़ाकू जेट विमानों की प्रणोदन रीढ़ बनाता है, जिसे चीन के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

भारत लंबे समय से रूस से अनुरोध करता रहा है कि वह पाकिस्तान को सीधे इंजन न बेचे।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।